R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 166 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार, 26 मई 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटों से जीती बीजेपी

जहांगीर खान के सरेंडर के बाद फाल्टा में बम-बम

टीएमसी का हुआ सूपड़ा साफ, चौथे नंबर पर रही पार्टी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में प्रतिष्ठा का प्रश्न बनी डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र में आने वाली फाल्टा सीट पर बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की है। रविवार को री-पोलिंग के बाद ईवीएम खुलीं तो बीजेपी ने शुरुआत से लेकर अंत तक बढ़त बनाए रखी। इस सीट से चुनाव लड़े जहांगीर खान के सरेंडर करने पर तृणमूल कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। पार्टी चौथे नंबर पर रही। बीजेपी के उम्मीदवार देबांशु पांडा ने 22 राउंड की मतगणना के बाद 1 लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज की। वह बंगाल में सबसे ज्यादा वोटों के अंतर से जीतने वाले विधायक बन गए हैं।

देबांशु पांडा बोले-खत्म हो गया 'पुष्पा राज'

फाल्टा सीट से जीत दर्ज करने के बाद बीजेपी के उम्मीदवार देबांशु पांडा ने कहा कि पुष्पा राज अब अतीत की बात है और पुष्पा का दौर खत्म हो चुका है। अब आम लोगों का युग शुरू हो रहा है। हमारे राज्य में अब असली विकास आएगा। बंगाल चुनावों में जब जहांगीर खान का यूपी के आईपीएस अजय पाल शर्मा से टकराव हुआ था तब शर्मा को सिंघम बताए जाने पर जहांगीर ने खुद की तुलना पुष्पा से की थी और कहा कि वह पुष्पा हैं नहीं झुकेंगे। देबांशु पांडा ने 108367 वोटों से जीत दर्ज की है।

भाजपा ने दर्ज की सबसे बड़ी जीत

पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने फाल्टा सीट पर सबसे बड़ी जीत दर्ज है। पार्टी के उम्मीदवार देबांशु पांडा 1 लाख 8 हजार वोटों के अंतराल से जीते इससे पहले माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र आनंदमय बर्मन 104,265 वोटों के अंतर से जीते थे। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने बड़ी जीत पर मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के 144 फाल्टा विधानसभा में दूसरे चरण में 29 अप्रैल को वोट डाले गए थे। तब वोटिंग के दौरान कुछ ईवीएम में बीजेपी कैंडीडेट के सामने की बटन पर टेप चिपका हुआ पाया गया था। इसके बाद आयोग ने पूरी विधानसभा का मतदान रद्द कर दिया था। 4 मईको 293 विधानसभा के नतीजों में बीजेपी को 207 सीटें मिली थीं। इसके बाद 21 मई को फाल्टा में री-पोलिंग हुई थी, लेकिन प्रचार के आखिरी दिन खुद को पुष्पा के तौर पर पेश कर रहे टीएमसी कैंडीडेट जहांगीर खान ने चुनाव से अलग कर लिया था। इसके बाद से इस सीट पर बीजेपी की बड़ी जीत तय मानी जा रही थी।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमला

- 24 लोगों की मौत, 82 घायल, जाफर एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में रविवार को एक आत्मघाती हमले में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसके चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना

जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के असर से आसपास की इमारतों की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और धमाके की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

बलूचिस्तान सरकार के गृह मामलों के विशेष सहायक बाबर यूसुफजई ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने लोगों से घटनास्थल के आसपास भीड़ न लगाने की अपील की। फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां इसे आतंकवादी हमला मानकर जांच कर रही हैं।

आरजेडी छोड़ बीजेपी का दामन थामेंगी रितु जायसवाल

- 26 को लेंगी सदस्यता, तेजस्वी की पार्टी से मोह हुआ भंग

पटना (एजेंसी)। राजद के महिला प्रकोष्ठ की बिहार प्रदेश की अध्यक्ष रही रितु जायसवाल अब भाजपा में शामिल होने जा रही हैं। रितु जायसवाल 26 मई को भाजपा में शामिल होंगी। रितु जायसवाल ने सीतामढ़ी के सोनबरसा ब्लॉक में सिंहवाहिनी पंचायत की मुखिया के रूप में अपने काम से बिहार की राजनीति में अलग पहचान बनाई थी। रितु पहले नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड में थीं, इसके बाद वह लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में पहुंचीं और वहां उन्हें कई जिम्मेदारियां मिलीं। उन्हें महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ ही वह पार्टी की प्रवक्ता रहीं। उन्होंने रविवार को भाजपा में शामिल होने की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए सार्वजनिक की है। वे 26 मई को दोपहर 12.19 बजे से 1.09 बजे तक पटना स्थित भाजपा कार्यालय के अटल सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में सादगीपूर्ण तरीके से पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगी।

दुनिया से खत्म होगा तेल-गैस का संकट!

- अमेरिका-ईरान के बीच जल्द समझौते के आसार

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में युद्ध के चलते दुनियाभर में छाया ऊर्जा संकट खत्म हो सकता है। अमेरिका-ईरान में शांति समझौता होने और होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने के संकेत मिल रहे हैं। ईरान ने रविवार को कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की संख्या 30 दिनों के भीतर युद्ध-पूर्व के स्तर पर लौट आएगी। यानी एक महीने में उसी तरह से इस समुद्री गलियारे से जहाज और तेल टैंकर गुजरने लगेंगे, जैसे 28 फरवरी से पहले गुजर रहे थे। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से बताया है कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर तक एक महीने में ठीक होने की उम्मीद है। 28 फरवरी को इजरायल-अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही में भारी गिरावट आई है। ईरान ने हमलों के बाद इस समुद्री रूट से यातायात रोक दिया था।

शियादेश ने कर दिया है होर्मुज खोलने का इशारा

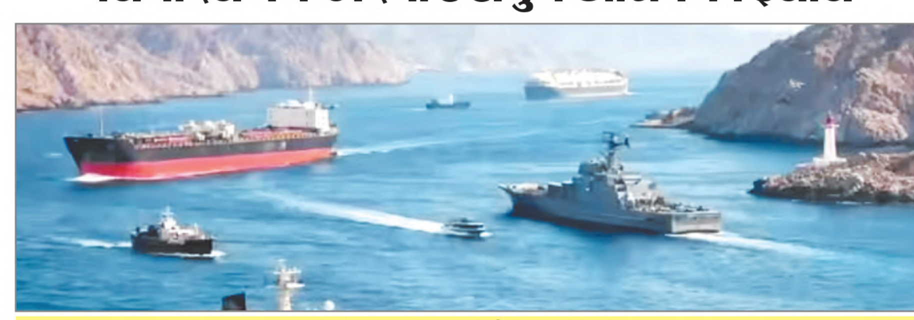

होर्मुज बाधा से दुनिया में संकट

ईरान में युद्ध शुरू होने यानी 28 फरवरी से पहले हर दिन होर्मुज स्ट्रेट से 125 से 140 जहाज गुजरते थे। ईरान की रोक और अमेरिकी नेवी की ओर से ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी ने इस रूट को तकरीबन बंद कर दिया था। इससे दुनिया के बड़े हिस्से, खासतौर से भारत और उसके पड़ोसी देशों को खाड़ी देशों से आने वाला तेल और गैस नहीं मिल सका है और उनको ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा है। भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को संकेत दिया कि ईरान के साथ चल रही बातचीत में बड़ी सफलता मिल सकती है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य से अच्छी खबर आने की उम्मीद जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश ईरान के साथ समझौता करने के बहुत करीब हैं, जिससे युद्ध खत्म होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाएगा। ईरान और अमेरिका के बीच 8 अप्रैल को अस्थायी सीजफायर हुआ था। इसके बाद से मध्यस्थ दोनों पक्षों में समझौते की कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान दोनों देशों में मुख्य मध्यस्थ है। पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और सरकार के मंत्रियों ने हालिया दिनों में लगातार ईरान की यात्राएं की हैं।

मोदी सरकार में पहली बार हुआ मंत्रियों का रिव्यू

'संतोषजनक' रेटिंग के बाद हरकत में आए मिनिस्टर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालयों का रिव्यू किया गया, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर कई मंत्रालयों को संतोषजनक श्रेणी में रखा गया है। इस मूल्यांकन का खास महत्व है क्योंकि सरकार की ओर से जब भी कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा तो मंत्रालयों का यही रिपोर्ट कार्ड निर्णायक साबित होगा। एनडीटीवी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बैठक की, जिसमें कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने सरकार के सभी मंत्रालयों के कामकाज पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। मंत्रालय को मूल्यांकन का मुख्य पैमाना मंत्रियों की ओर से शिकायत का निवारण और फाइलों के निपटारे दिखाई गई फुर्ती थी।

मंत्रियों ने संभाला मोर्चा

कई मंत्रियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा पुराने और अप्रासंगिक नियमों को समाप्त करने का निर्देश दिया। बैठक के बाद कृषि मंत्री ने अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक में प्रशासनिक कार्य-संस्कृति में बदलाव लाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फाइल तैयार करने, निर्णय लेने और मसौदा तैयार करने की गुणवत्ता में सुधार लाने की आवश्यकता है। ड्राफ्टिंग को एक अहम क्षेत्र बताते हुए उन्होंने विभागों से आग्रह किया कि वे ऐसे अधिकारियों को प्रशिक्षित करें जो मजबूत, स्पष्ट और नीति के अनुरूप तरीके से फाइलें और नोट्स तैयार कर सकें।

फाइलें लंबित न रहें और शिकायतें सुलझनी चाहिए

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म, डेटा शेयरिंग, डेटा-बेस्ड डिसीजन लेने और मंत्रालयों के बीच सहयोग जैसे अन्य क्षेत्रों ने भी सरकार की रिपोर्ट कार्ड प्रक्रिया में भूमिका निभाई। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने मंत्रालयों से कहा है कि फाइलें लंबित नहीं रहनी चाहिए और शिकायतें भी अनसुलझी नहीं रहनी चाहिए। पीएम मोदी ने मंत्रालयों को विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं की पहचान करने और उनके समाधान खोजने का आह्वान किया। मंत्रालयों से यह बताने को कहा गया है कि काम में क्या बाधाएं आती हैं, किन रुकावटों के कारण निर्णय लेने, उनके कार्यान्वयन और लाभ वितरण में देरी होती है और इन समस्याओं को दूर करने के लिए क्या सुधार किए जा सकते हैं। पीएम मोदी ने मंत्रालयों को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने बायो गैस के उपयोग के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कैबिनेट बैठक के दौरान ईंधन दक्षता पर भी जोर दिया। उन्होंने अनावश्यक विदेश यात्राओं में कटौती करने का आग्रह किया।

एक्ट्रेस ट्विशा का मौत के 12 दिन बाद अंतिम संस्कार

- भाई ने भोपाल में मुखाग्नि दी, दिल्ली एम्स की टीम ने दोबारा पोस्टमॉर्टम किया

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा का मौत के 12 दिन बाद रविवार को अंतिम संस्कार किया गया। भोपाल के भदभदा श्मशान घाट में भाई मेजर हर्षित ने ट्विशा को मुखाग्नि दी। इस दौरान ट्विशा की मां और परिवार भावुक होकर रो पड़ा। इससे पहले रविवार को ही दिल्ली एम्स की टीम ने ट्विशा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम किया। भोपाल एम्स में करीब 3 घंटे चली प्रक्रिया के बाद टीम भोपाल से रवाना हो गई। पोस्टमॉर्टम से जुड़े सैंपल और विसरा भोपाल एम्स में ही सुरक्षित रखे गए हैं। टीम अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपेगी। 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स में ट्विशा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने ट्विशा शर्मा केस को स्वतः संज्ञान लिया है। सोमवार को चीफ जस्टिस की बेंच इस केस की सुनवाई करेगी। ट्विशा के पति समर्थ को शनिवार को भोपाल जिला कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की है। साथ ही उसका पासपोर्ट जब्त करने के आदेश दिए हैं। भोपाल कोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत निरस्त करने के लिए आवेदन दायर किया गया है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मामले की जांच सीबीआई से कराने पर सहमति दे दी है।

रेप पीड़िता को गर्भावस्था समापन की मिली मंजूरी

सरकार उठाएगी खर्च, राजस्थान हाईकोर्ट का नजीर पेश करने वाला फैसला

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने एक बेहद संवेदनशील मामले में संज्ञान लेते हुए नजीर पेश करने वाला फैसला सुनाया है। दरअसल , यहां 16 साल की नाबालिग रेप पीड़िता को 27 सप्ताह और 4 दिन (करीब 7 महीने) का गर्भ गिराने (अबॉर्शन) की अनुमति दे दी है। जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की एकल पीठ ने यह फैसला 22 मई को सुनाया। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए पॉक्सो मामलों में गर्भावस्था की जांच और मेडिकल प्रक्रियाओं में होने वाली देरी पर गहरी चिंता भी जताई।

गर्भपात कराने की मिली हरी झंडी- याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पहले सिरोही और फिर जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में मेडिकल बोर्ड का गठन करवाया। बोर्ड की रिपोर्ट में सामने आया कि पीड़िता गंभीर एनीमिया (खून की कमी) से जूझ रही है।

कोर्ट में परिवार ने लगाई थी गुहार

सिरोही जिले की रहने वाली नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म के बाद पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज था। करीब 7 महीने का गर्भ होने के बाद परिजनों को इस बात की जानकारी हुई, जिसके बाद पीड़िता के दादा ने 18 मई को हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट सपना वैष्णव ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए तर्क दिया कि यह गर्भ दुष्कर्म का परिणाम है और एक नाबालिग को इसे रखने के लिए मजबूर करना उसके मौलिक अधिकारों का हनन है।

रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करेगी बंगाल सरकार

- सीएम शुभेंदु अधिकारी का जिला कलेक्टरों को बड़ा आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग का काम शुरू हो गया है। इस सब के बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई वाली सरकार से बड़ा अपडेट सामने आया है। राज्य सरकार ने पश्चिम बंगाल सरकार ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या को डिपोर्ट करने का आदेश दिया है। इसके लिए राज्य में रोहिंग्या के लिए होल्डिंग सेंटर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल में घुसपैठियों पर बड़ा ऐक्शन लेने की तैयारी की है। इसके तहत अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ को भी तेज किया जाएगा। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बंगाल से चुन-चुन अवैध घुसपैठियों को बाहर करने का वादा किया था। खुद गृह मंत्री अमित शाह ने इसका ऐलान किया था। अब बंगाल में सरकार बनने के बाद शुभेंदु अधिकारी इसी लाइन पर आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार ने होल्डिंग सेंटर बनाने के लिए सरकार ने जिलाधिकारियों को आदेश की कॉपी भेज दी गई है। बीजेपी ने बंगाल को घुसपैठ मुक्त बनाने का वादा किया था।

मिशन 2027 यूपी

'हाथी का बटन दबाना है सत्ता में वापस आना है'

मायावती ने लखनऊ बैठक में पार्टी नेताओं को दिया मंत्र

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बहुजन समाज पार्टी ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसको लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को लखनऊ के माल एवेन्यू स्थित बसपा स्टेट ऑफिस में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और चुनावी तैयारियों की समीक्षा की गई। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि देश में चुनाव अब नई-नई चुनौतियों के बीच हो रहे हैं। ऐसे में पार्टी संगठन को और ज्यादा चुस्त-दुरुस्त और मुस्तैद बनाने की जरूरत है, ताकि यूपी में पांचवीं बार बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाई जा सके। मायावती ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और नए नियम-कानूनों के कारण करोड़ों लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। जनता को विरोधी दलों की संकीर्ण और छलावापूर्ण राजनीति से बचने की जरूरत है।

ऐसे उम्मीदवारों को टिकट जिनकी छवि मजबूत

मायावती ने कहा कि पार्टी ऐसे उम्मीदवारों को मौका देगी, जिनकी छवि मजबूत और जनाधार अच्छा हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं को विपक्ष की साजिशों और भ्रामक प्रचार से सावधान रहने की सलाह दी। बसपा प्रमुख ने कहा कि यूपी की जनता को फिर से आजमाई हुई बसपा सरकार और उसके नेतृत्व पर भरोसा करना चाहिए, क्योंकि बहुजन समाज पार्टी ही लोगों को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर कानून-व्यवस्था दे सकती है।

रॉयल पत्रिका
संपादकीय....
रुपये की गिरावट

यूं देश के आयात-निर्यात असंतुलन के चलते पिछले दो दशकों से रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट देखी गई है, लेकिन हाल के कुछ महीनों में इस गिरावट में तेजी आई है। खासकर ईरान-अमेरिकी युद्ध शुरू होने के बाद इसमें छह फीसदी की चिंताजनक गिरावट आई है। जो हमारी आयात पर अत्यधिक निर्भरता को ही दर्शाता है। यद्यपि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसे मुद्रा संकट कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया गिरावट हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, यह गिरावट भू-राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं। खासकर ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन, मालभाड़ा वृद्धि, भोजन और घरेलू खर्चों पर पड़ा है। इसके चलते रुपये के अवमूल्यन से कंपनियां तथा देश के नीति-निर्माता भी खासे चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा में ऋण लेने वाली भारतीय कंपनियों पर ऋण चुकाने का अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है।

दरअसल, इन सभी कारणों से बढ़ते व्यापार घाटे का चालू खाते के घाटे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। जिसके चलते शेयर बाजार में लगातार गिरावट का ट्रेंड देखा जा रहा है। वास्तव में विदेशी निवेशक अनिश्चितता के वातावरण में सुरक्षित अमेरिकी कंपनियों में निवेश बढ़ा रहे हैं। फलत: अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश में लगातार निकासी का रुझान देखा जा रहा है। जिसने हमारी आर्थिक चिंताओं को और बढ़ाया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस जारी अस्थिरता को कम करने के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के माध्यम से हस्तक्षेप किया है, लेकिन ऐसे उपाय महज गिरावट की गति को कम करने के अलावा बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने तर्क दिया है कि रुपये का स्वाभाविक रूप से अवमूल्यन करने से समय के साथ व्यापार असंतुलन को दुरुस्त करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने केंद्रीय बैंक से आग्रह किया है कि वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान के कारण होने वाले मुद्रा के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिये विशिष्ट विनिमय दर लक्ष्यों मसलन सौ रुपये प्रति डॉलर से आगे बढ़कर विचार करना चाहिए।

प्रेस की स्वतंत्रता के सवाल

मीडिया : हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं

तनवीर जाफ़री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली देशों का दौरा किया। इस दौरान नॉर्वे की एक घटना ने एक बार फिर मीडिया उसके कर्तव्य व दायित्व को लेकर बहस छेड़ दी। दरअसल ओस्लो में जब मोदी, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ जैसे ही मंच से जाने लगे उसी समय एक युवा महिला पत्रकार हेला लिंग ने मोदी को संबोधित करते हुये कुछ सवाल पूछे। हेला लिंग ने पूछा प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते? मोदी पत्रकार के सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए। इस घटना के फ़ौरन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा उसी जगह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पत्रकार हेला लिंग को भी बुलाया गया। वहाँ भी हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया। परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय गोदी मीडिया ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा।

गोदी मीडिया ने महिला पत्रकार के इस तरीक़े को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीति क़रार दिया। वही भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल,वैकल्पिक,निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ़ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे सच्ची पत्रकारिता का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आज़ादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन गोदी पत्रकारों पर तंज़ कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की खुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं। दरअसल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक एक भी नियमित संवाददाता सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। मन की बात, सार्वजनिक रैलियां, चुनावी सभाएं, सम्पादकीय पृष्ठ के अपने आलेख,किसी कार्यक्रम स्थल पर आयोजित जन सभा आदि के माध्यम से जनता से इकतरफ़ा संवाद करना प्रधानमंत्री का पसंदीदा तरीक़ा है। जबकि भारत के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की यह नियमित परंपरा रही थी कि वे विदेश दौरों से लौटने,विमान में या देश में समय-समय पर खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया करते थे। सच तो यह है कि मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते मीडिया से जुड़े उनके कुछ ऐसे कटु अनुभव रहे हैं जिसके चलते वे अब पुनः साहसी पत्रकारों से रूबरू होकर पुनः अपनी वैसी फ़ज़ीहत नहीं कराना चाहते। याद कीजिये अक्टूबर 2007 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे,उस समय वरिष्ठ पत्रकार करण थापर ने सीएनएन-आईबीएन के प्रसिद्ध शो डेविल्स एडवोकेट के लिए अहमदाबाद में मोदी का इंटरव्यू लिया था। करण थापर ने मोदी से अपने पहले सवाल में ही 2002 के गुजरात दंगों को लेकर पूछा कि दंगों के पांच साल बाद भी उनकी छवि एक क्रूर शासक की बनी हुई है, इसे सुधारने के लिए उन्होंने क्या किया? जब मोदी ने कहा कि जनता उन्हें अच्छे से जानती है, तो थापर ने अगला सवाल किया कि आप यह क्यों नहीं कह देते कि आपको दंगों में मारे गए लोगों का दुख या पछतावा है? क्या सरकार को मुसलमानों की सुरक्षा के लिए और क़दम नहीं उठाने चाहिए थे? इस सवाल पर मोदी पूरी तरह असहज हो गए। उन्होंने कहा कि जो मुझे कहना था, मैं उस समय कह चुका हूँ। परन्तु जब थापर ने बार-बार उसी सवाल को दोहराया, तो मोदी ने इंटरव्यू आगे बढ़ाने से मना कर दिया। 3-4 मिनट के भीतर ही मोदी ने पानी पीने का बहाना कर अपने कुर्ते पर लगा माइक निकाला और उसे टेबल पर रख दिया। फिर उन्होंने बहुत ही शालीनता से थापर से कहा दोस्ती बनी रहे। आप यहाँ आए, इसके लिए धन्यवाद। इसके बाद वे कैमरे के सामने से उठकर चले गए। ऐसी ही दूसरी घटना वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान की है। उस समय वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रिवेदी एनडीटीवी के लिए चक्रव्यूह नामक एक शो करते थे। उन्होंने मोदी का इंटरव्यू चुनावी रैली पर जाते समय हेलीकॉप्टर यात्रा के दौरान लिया। त्रिवेदी ने भी मोदी से पूछा कि क्या गुजरात दंगों के लिए भाजपा या उन्हें (मोदी को) माफ़ी मांगनी चाहिए? मोदी ने इस पर कहा कि वे इस विषय पर कई इंटरव्यू में पहले ही बोल चुके हैं। लेकिन जब त्रिवेदी ने लगातार इस सवाल पर दबाव बनाया, तो मोदी का मूड बदल गया। बाद मोदी ने गुस्से में आकर सवालों के जवाब देना पूरी तरह बंद कर दिया और चुप हो गए। मोदी ने अपना ही हाथ आगे बढ़ाकर कैमरे के लेंस को बंद करवा दिया। इसके बाद का पूरा सफ़र दोनों ने बिना एक-दूसरे से बात किए और खिड़की से बाहर देखते हुए बिताया। हेलीकॉप्टर के उतरते ही मोदी ने विजय त्रिवेदी से कहा विजय भाई, यह हमारी आख़िरी मुलाक़ात है। इसके बाद मोदी अपनी जनसभा को संबोधित करने चले गए। जबकि विजय त्रिवेदी और उनकी टीम को हेलीकॉप्टर से नीचे उतार दिया गया। बाद में त्रिवेदी को संदेश मिला कि मोदी हेलीकॉप्टर लेकर वापस जा चुके हैं। त्रिवेदी और उनकी टीम को वापस लौटने के लिए वहाँ कोई गाड़ी नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें एक ट्रैक्टर और फिर लोकल बस के द्वारा क़रीब आठ घंटे की यात्रा कर अपने गंतव्य तक वापस लौटना पड़ा था। यह घटनायें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि मोदी स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया से संवाद क्यों नहीं करते। वे वास्तविक व निष्पक्ष पत्रकारों के इस सिद्धांत को बखूबी जानते हैं कि न स्याही के हैं दुश्मन न सफ़ेदी के हैं दोस्त। हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं।

हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया। परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय गोदी मीडिया ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा। गोदी मीडिया ने महिला पत्रकार के इस तरीक़े को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीति क़रार दिया। वही भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल,वैकल्पिक,निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ़ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे सच्ची पत्रकारिता का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आज़ादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन गोदी पत्रकारों पर तंज़ कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की खुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं...

आलेख
डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार विकसित भारत का स्वरूप

पंच–परमेश्वर आजादी के इस अमृत काल से 4000 ई. पूर्व भारत के वेदों, ग्रन्थों एवं काव्यों में है। भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का सजीव एवं साकार स्वरूप स्वंतत्रता के पश्चात पंचायतीराज व्यवस्था दृष्टि गोचर हुआ। पंचायतीराज की परिकल्पना, स्वरूप एवं ग्रामीण विकास की अवधारणा वैदिक काल से भी पूर्व की है। वैदिक काल में तत्कालीन राजा पंचायतों के माध्यम से राज कार्य का दायित्व निर्वहन करते रहे। वैदिक काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायतों एवं ग्रामों को पुरस्कृत किया जाता रहा। बौद्ध काल में ग्राम परिषदों की स्थापना की गई, ग्राम परिषदों का कार्य ग्राम भूमि का प्रबंध, कर लगाने एवं वसुली की व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा स्थापित करना रहा, बौद्ध काल में सबसे अधिक कर वसूली वाले ग्रामों को प्रोत्साहन राशि से पुरस्कृत किया जाता रहा है। मौर्य काल में पंचायतें प्रशासन का का प्रमुख अंग हो गया तथा पंचायतों में सार्वजानिक कोष स्थापित किया गया, करो की राशि, लगान, दण्ड एवं जुर्माना से प्राप्त धन को संचित किया गया, मौर्य काल में सार्वजनिक कोष में सबसे अधिक धन संचित करने वाली पंचायतों एवं ग्रामों को पुरस्कृत किया गया। गुप्तकाल में अष्टकुलाधिकरण (आठ कुलों का निरीक्षक), शौल्किक (शुल्क वसूल करने वाला, चुंगी संग्राहक) गौल्मिक (वन, उपवन निरीक्षक) आदि नियुक्त किए गए। मध्य काल में भूमि कर वसूली एवं शांती व्यवस्था हेतु नम्बरदारों को नियुक्त किया गया। मुगल काल में परगनों को गांवों में विभाजित किया गया। दसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में दक्षिण में पंचायतें पूर्ण अस्तित्व में थीं। प्राचीन काल में विशेष उल्लेखनीय कार्य करने वाले पंचायतों एवं ग्रामों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कृत किया जाता रहा है। आजादी के अमृत काल में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025, पंचायत एडवांसमेंट इनडेक्स (उन्नति सूचकांक) 2.0 योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नही बल्कि पंचायते में आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय को मापने को पैमाना है। पंचायत उन्नति सूचकांक 17 सतत विकास लक्ष्यों को 09 थीम में विभक्त कर 230 आंकडे बिन्दु चिन्हित कर किया गया है, जिसमें 150 यूनिक स्थानीय सूचकांकों का उपयोग किया गया है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2025 के अंतर्गत देष की कुल 2,66,999 ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय निकायों में से 2,59,867 ग्राम पंचायतों (97.32 प्रतिषत) द्वारा साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किये जिसमें 3635 (1.39 प्रतिशत) ए–श्रेणी, 1,18,824 (45.73 प्रतिशत) बी–श्रेणी, 1,23,719 (67.01 प्रतिशत) सी–श्रेणी तथा 13,689 (5.27 प्रतिशत) डी–श्रेणी में सम्मिलित है, यह पंचायतीराज व्यवस्था को जमीनीस्तर पर लागू करने के प्रयासों का सुखद परिणाम है, जो हमारे गांवों की तसवीर बदली है तथा समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठे हुये व्यक्ति को न्याय प्राप्त हुआ है, और समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठा हुआ व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से जुड़ा है। यह ग्रामीण भारत की उभरती तस्वीर एवं साक्ष्य आधारित पारदर्शी तथा जवाबदेही शासन का प्रमाण है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 09 थीमों–गरीबी मुक्त उन्नत आजीविका युक्त पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल–हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरियाली युक्त पंचायत, आत्म निर्भर बुनियादी ढांचा युक्त पंचायत, सामाजिक रुप से सुरक्षित न्यायपूर्ण पंचायत, सुषासन युक्त पंचायत तथा महिला हितैषी पंचायत में विभक्त कर 2030 तक 17 सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्ति हेतु किया जा रहा सार्थक प्रयास है। अब पंचायतो से अपेक्षा है, कि सेवा का केन्द्र बिन्दु बनकर आत्म निर्भर बने, जो आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की स्थापना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंचायत एडवांसमेंट इन्डैक्स 2.0 (उन्नति सूचकांक) 24 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिये 33 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों हेतु जारी किया गया, जिसमें देश की कुल 2,66,999 पंचायतों में से 2,59,876 पंचायतों (97.32 प्रतिषत) ने साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किये इसमें से कुल 42 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया गया। देश की 2,66,999 ग्राम पंचायतों में 1,18,824 (45.73 प्रतिशत) पंचायते उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली श्रेणी में है, जिन क्षेत्रों ने ग्राम पंचायतों ने उत्कष्ट प्रदर्षन किया है, उनमें गरीबी मुक्त उन्नत आजीविका युक्त तथा स्वस्थ पंचायत शामिल है। छत्तीसगढ़ राज्य की 11,643 ग्राम पंचायतों ने पंचायत पुरस्कार में साक्ष्य आधारित ग्राम सभा से सत्यापित आंकडे प्रस्तुत किया, इसमें 30 ग्राम पंचायत ए–श्रेणी, 3936 ग्राम पंचायत बी–श्रेणी, 5941 ग्राम पंचायत सी–श्रेणी एवं 1736 ग्राम पंचायत डी–श्रेणी प्राप्त की है। स्कोर के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य की ग्राम पंचायत सरदिह (जनपद पंचायत–बगीचा, जिला–जशपुर) को थीम–स्वच्छ एवं हरित पंचायत के अंतर्गत तृतीय पुरस्कार राशि रु. 0.25 करोड़ प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार ग्रामीण भारत में समावेषी, सहभागी और सतत विकास को बढ़ावा देगी तथा विकसित भारत / 2047 की दिषा में राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को प्रभावी जमीनी कार्यवाही में पंचायतों की भूमिका को और मजबूत करेगी, जिससे आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत का निर्माण संभव होगा।

-संकाय सदस्य (पंचायती राज)
ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा, रायपुर (छ.ग.)

सजगता से दूर होती है चिंता

संकलित
दर्शन

जब तुम चिंता का अनुभव करो, बहुत चिंताग्रस्त हो जाओ, तब इस विधि का प्रयोग करो। इसके लिए क्या करना होगा? जब साधारणतः तुम्हें चिंता घेरती है, तब तुम क्या करते हो? तुम उसका हल ढूंढ़ते हो। उसके उपाय खोजते हो। लेकिन ऐसा करके तुम और भी चिंताग्रस्त हो जाते हो। तुम उपद्रव को बढ़ा लेते हो, क्योंकि विचार से चिंता का समाधान नहीं हो सकता है। विचार के द्वारा चिंता का विसर्जन नहीं हो सकता है, क्योंकि विचार स्वयं एक तरह की चिंता है। यह विधि बहुत आसान है। यह कहती है कि चिंता के साथ कुछ मत करो। सिर्फ सजग हो जाओ। मैं तुम्हें एक दूसरे जेन गुरु बोकोजू के संबंध में एक पुरानी कहानी सुनाता हूं। वह एक गुफा में अकेले रहते थे, बिल्कुल अकेले। लेकिन दिन में या कभी-कभी रात में भी वह जोरों से कहता थे, 'बोकोजू'। यह उनका अपना नाम था। और फिर वह खुद कहते, 'हां महोदय, मैं मौजूद हूं।' जबकि वहां कोई दूसरा नहीं होता था। उनके शिष्य उससे पूछते थे, 'क्यों आप अपना ही नाम पुकारते हैं और फिर खुद कहते हैं, हां, मैं उपस्थित हूं?' बोकोजू ने कहा, 'जब भी मैं विचार में डूबने लगता हूं तो मुझे सजग होना पड़ता है। इसीलिए मैं अपना नाम पुकारता हूं। जिस क्षण मैं बोकोजू कहता हूं और कहता हूं कि हां महाशय, मैं मौजूद हूं, उसी क्षण विचारणा, चिंता विलीन हो जाती है।' फिर अपने अंतिम दिनों में, आखिरी दो-तीन वर्षों में उन्होंने कभी अपना नाम नहीं पुकारा और न ही यह कहा कि हां, मैं मौजूद हूं।

कर्म महत्वपूर्ण है

संकलित
प्रेरणा

एक निक्कमे आदमी की पत्नी ने उसे घर से निकलते हुए कहा आज कुछ न कुछ कमा कर ही लौटना नहीं तो घर में नहीं घुसने दूगीं। आदमी दिन भर इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन उसे कुछ काम नहीं मिला। निराश मन से वह जा रहा थी कि उसकी नजर एक मरे हुए सांप पर पड़ी। उसने एक लाठी पर सांप को लटकाया और घर की और जाते हुए सोचने लगा, इसे देखकर पत्नी डर जाएगी और आगे से काम पर जाने के लिए नहीं कहेगीं। घर जाकर उसने सांप को पत्नी को दिखाते हुए कहा, ये कमाकर लाया हूं। पत्नी ने लाठी को पकड़ा और सांप को घर की छत पर फेंक दिया।वह सोचने लगी कि मेरे पति की पहली कमाई जो कि एक मरे हुए सांप के रूप में मिली, ईश्वर जरुर इसका फल हमें देगें क्योंकिं मैंने सुना हैं कि कर्म का महत्व होता हैं। वह कभी व्यर्थ नहीं जाता। तभी एक बाझ उधर से उड़ते हुए निकला जिसने चोंच में एक कीमती हार दबा रखा था। बाझ की नजर छत पर पड़े हुए सांप पर पड़ी उसने हार को वहीं छोड़ा और सांप को लेकर उड़ गया। पत्नी ने हार को पति को दिखाते हुए सारी बात बताई। पति अब कर्म के महत्व को समझ चुका था, उसने हार को बेचकर अपना व्यवसाय शुरू किया। कल का एक गरीब इन्सान आज का सफल व्यवसायी बनकर इज्जत की जिंदगी जी रहा हैं। चलने वाला मंजिल पाता, बैठा पीछे रहता हैं, ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल रहता हैं। पैर मिले हैं चलने को तो, पांव पसारे मत बैठो आगे-आगे चलना हैं तो, हिम्मत हारे मत बैठो।

अंतर्मन

आज की पाती

बढ़ती कीमतों के लिए कौन जिम्मेदार?

पेट्रोल–डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बाद से ही देशभर में लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस बढ़ोतरी का सीधा असर हमारी रोजमर्रा की जिंदगी और जेब पर पड़ने लगा है। अब तो हर चीज के दाम बढ़ेंगे, जिससे आम आदमी को अपना जीवनयापन करना मुश्किल हो जाएगा। महंगाई बढ़ने से जनता का मासिक बजट बिगड़ जाता है। जरूरी वस्तुओं की खरीददारी में भी कटौती करनी पड़ती है और बचत में भी कमी आती है। आम जनता पर तो महंगाई की चौतरफा मार पड़ती है। मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट तो बिगड़ ही जाता है, लेकिन गरीब आदमी का तो जीना ही मुहाल हो जाता है। सरकार को मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर महंगाई पर नियंत्रित करने के उचित प्रयास करने चाहिए।

- पीयूष जोशी, भाटापारा

ट्रेंड

सामाजिक परिवर्तन

जब संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित को अपना मिशन बना लेता है, तब संगठन मात्र राजनीतिक शक्ति से सामाजिक परिवर्तन की शक्ति में परिवर्तित हो जाता है।

-**अन्नपूर्णा देवी,** केंद्रीय महिला विकास मंत्री

पुख्ता व्यवस्था हो

जब लाखों युवा सड़कों पर हैं, 22 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है, और प्रधानमंत्री चुप हैं तो सरकार प्रतिक्रिया देने पर नहीं, बल्कि टालमटोल करने पर ध्यान दे रही है। जब तक परीक्षाओं के पेपर लीक को रोकने के लिए एक पुख्ता व्यवस्था स्थापित नहीं हो जाती, हम नहीं रुकेंगे।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

आत्मनिर्भर भारत

तेजस मार्क 1ए सिर्फ एक लड़ाकू विमान नही है; यह आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और क्षमता की नई पहचान है। आज, भारत अपने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और युवाओं की प्रतिभा के बल पर रक्षा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

- **सम्राट चौधरी,** सीएम, बिहार

मुख्यमंत्रियों से अपील

सभी मुख्यमंत्रियों से मेरी अपील है: कृपया 21 तारीख को नीट की पुनर्परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए बस यात्रा निःशुल्क करें। मुझे खुशी है कि बिहार और हरियाणा ने इस मामले में पंजाब का अनुसरण किया है। आशा है कि अन्य मुख्यमंत्री भी ऐसा ही करेंगे।

-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

डब्ल्यूटीओ में भारत ने चीन के अनुरोध पर रोक लगाई

भारत ने सौर सेल, मॉड्यूल और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्रों के लिए अपने समर्थन उपायों को लेकर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में दायर मामले में पैनल गठित करने के चीन के अनुरोध पर रोक लगा दिया है। चीन ने इस महीने की शुरुआत में डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान निकाय (डीएसबी) से एक पैनल गठित करने का अनुरोध किया था। यह अनुरोध दोनों देशों के बीच परामर्श के विफल रहने के बाद किया गया था। चीन ने पिछले वर्ष दिसंबर में यह मामला दायर किया था। जिनेवा स्थित एक अधिकारी ने कहा कि भारत ने मामले में पैनल बनाने से संबंधित चीन के पहले अनुरोध को खारिज कर दिया है। डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत, मामले से संबंधित देश पहली बार पैनल गठन के अनुरोध को रोक सकता है, लेकिन दूसरी बार भी यह अनुरोध किए जाने पर पैनल गठित हो जाता है। यह मुद्दा 22 मई को जिनेवा में आयोजित डीएसबी की बैठक में उठा था। यदि चीन अगली बैठक में दोबारा अनुरोध करता है, तो पैनल का गठन स्वतः हो जाएगा। चीन ने आरोप लगाया है कि भारत द्वारा कुछ प्रौद्योगिकी उत्पादों पर लगाए गए आयात शुल्क और घरेलू उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने वाले उपाय चीनी उत्पादों के साथ भेदभाव करते हैं।

ऑफ बीट

अनिद्रा अपने आप में एक बीमारी, इलाज की जरूरत

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या संभवतः प्राचीनकाल से ही इनसानों को परेशान करती आ रही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों में इसकी समझ हासिल करने की कोशिशों में काफी प्रगति की है। अनिद्रा को लेकर वैज्ञानिकों की समझ में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी शिकायत शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी अन्य समस्या के कारण उभरती है। अनिद्रा के शिकार अधिकांश लोगों को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थॉयरॉयड, पेट से जुड़ी समस्याओं, लंबे समय से बरकरार दर्द, बेचैनी या अवसाद की शिकायत होती है। अनिद्रा जब किसी दूसरी बीमारी या समस्या का नजीता होती है, तो उसे "सेकेंडरी इंसोमेनिया" कहा जाता है। यही कारण है कि पहले डॉक्टर अक्सर सिर्फ मुख्य बीमारी का इलाज करते थे और 'सेकेंडरी इंसोमेनिया' का अलग से उपचार करने पर ध्यान नहीं देते थे। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में शोध और नैदानिक अनुभव, दोनों से पता चला कि यह तरीका सही नहीं है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कुछ मामलों में अनिद्रा की शिकायत किसी मुख्य बीमारी के उभरने से पहले से ही हो सकती है, जबकि कुछ मामलों में यह उसके ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रह सकती है।

रॉयल पत्रिका

नाहरवाड़ा स्कूल के 300 से अधिक निर्धन बच्चों की पढ़ाई छूटी, बेटियां घर बैठने को मजबूर

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र के किशनपोल विधानसभा अंतर्गत जगन्नाथ शाह रास्ते में स्थित 'राजकीय माध्यमिक विद्यालय, नहारवाड़ा' आज केवल एक स्कूल नहीं, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की घोर संवेदनहीनता का सबसे बड़ा जीवित स्मारक बन चुका है। वर्ष 1934 (महाराजा काल) में स्थापित इस ऐतिहासिक और गौरवमयी विद्यालय ने अपनी नौ दशकों की यात्रा में देश को कई शीर्ष आईएएस (IAS) और आईपीएस (IPS) अधिकारी दिए, जिन्होंने देश के विकास की नीतियां बनाईं। लेकिन आज इस स्कूल की स्थिति खुद बदहाली के आंसू बहा रही है। शिक्षा विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) और स्थानीय प्रशासन की त्रिकोणीय लापरवाही के कारण आज यह स्कूल पूरी तरह से खंडर में तब्दील हो चुका है। पिछले तीन वर्षों से इसके मुख्य द्वारों पर लगे भारी-भरकम ताले जंग खा रहे हैं और इसके भीतर बच्चों के भविष्य की जगह कचरे और आवारा पशुओं का साम्राज्य है। स्थानीय विधायक अमीन कागजी यहां से सात साल विधायक है। जिन्होंने 4.5 करोड़ रुपए का फंड विधायक कोटे से मंजूर कर रखा है। लेकिन 3 साल पहले स्कूल निर्माण के लिए दिये गए इस फंड से स्कूल निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। काफी स्थानीय लोंगो का कहना है की विधायक अमीन कागजी स्कूल निर्माण करवाने में राजनीती कर रहे है।

ग्राउंड जीरो की भयावह स्थिति: जब रक्षक ही बन गए भक्षक:-

जब 'रॉयल पत्रिका' के रिपोर्टर जावेद अख्तर ने मौके पर जाकर जमीनी हकीकत देखी, तो वहां के दृश्य झकझोर देने वाले थे। जहां कभी सुबह के समय देश के भविष्य (मासूम बच्चों) की प्रार्थना और राष्ट्रीय गान गूंजता था, वहां आज सन्नाटे के बीच केवल मक्खियां भिनभिना रही हैं। स्कूल की बहुमंजिला इमारत पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, प्लास्टर उखड़कर गिर रहा है और खिड़कियों के शीशे टूटे पड़े हैं। कड़ी धूप और प्रशासनिक रख-रखाव के अभाव में परिसर में स्थित पानी की बड़ी टंकी पूरी तरह टूटकर बिखर चुकी है। शौचालय और वाशरूम की स्थिति इतनी वीभत्स है कि वहां महामारी फैलने का खतरा बना हुआ है। सबसे गंभीर बात यह है कि स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस बेशकीमती और खाली पड़ी सरकारी जमीन पर अब स्थानीय भू-माफियाओं की गिद्ध दृष्टि लग चुकी है, जो अंदर ही अंदर इसे हड़पने या अवैध कब्जे की साजिश रच रहे हैं। हाल ही में स्कूल की एक जर्जर दीवार ढहने से बड़ा हादसा होते-होते टला, जिसके बाद स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

शिक्षा के अधिकार का हनन: 300 मासूम बच्चों का भविष्य अंधकारमय:-

प्रशासनिक विफलता का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि स्कूल बंद होने के कारण इस घनी आबादी वाले क्षेत्र के बच्चों को करीब 1 किलोमीटर दूर 'महाराजा स्कूल' (बड़ी चौपड़) में शिफ्ट कर दिया गया। रामचंद्र जी की चौकड़ी और आसपास के इस पूरे क्षेत्र की आबादी लगभग एक लाख है, जिसमें 90% प्रतिशत से अधिक परिवार बेहद गरीब, मजदूर, रिक्शा चालक और अल्पसंख्यक समाज से आते हैं। इन गरीब परिवारों के पास अपने बच्चों को ऑटो या अन्य साधनों से दूर भेजने की आर्थिक क्षमता नहीं है। व्यस्त सड़कों को पार करके इतनी दूर जाना छोटे बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। परिणाम यह हुआ कि पिछले तीन सालों में लगभग 300 से अधिक मासूम बच्चों ने स्कूल से अपना नाम कटवा लिया। इनमें सबसे ज्यादा संख्या उन गरीब बेटियों की है, जिन्हें सुरक्षा और दूरी के कारण उनके माता-पिता ने घर पर बैठा दिया है या फिर वे छोटी उम्र में ही बाल श्रम (मजदूरी) करने को मजबूर हो गए हैं। डिजिटल इंडिया और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के नारों के बीच यह जमीनी हकीकत सरकारी दावों की धज्जियां उड़ा रही है।

विस्तृत बयान: किसका क्या है कहना?

पूर्व अध्यक्ष हाजी निजामुद्दीन का ऐतिहासिक संदर्भ और बजट का खुलासा:

नाहरवाड़ा स्कूल के साथ लगभग 18 वर्षों (1997 से) तक अध्यक्ष के रूप में जुड़े रहे हाजी निजामुद्दीन ने बेहद भावुक और आक्रोशित लहजे में कहा— "यह स्कूल हमारा गौरव रहा है। एक दौर था जब यहां कमरे कम थे और बच्चे पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ते थे। तब हमने तत्कालीन वरिष्ठ नेता पंडित नवल किशोर जी शर्मा से फंड लिया, 'राजस्थान पत्रिका' के जनसहयोग अभियानों को जोड़ा और मेहनत करके इस स्कूल की दो मंजिला शानदार इमारत खड़ी की, जिसमें 12 आधुनिक कमरे बनवाए। हमने इस स्कूल को प्रमोट करवाकर 12वीं तक अंग्रेजी माध्यम (English Medium) करवाया था ताकि गरीब के बच्चे भी बड़े अफसर बन सकें। जब वर्तमान विधायक अमीन कागजी चुनाव जीते, तो हमने उनके सामने गिड़गिड़ाकर इस स्कूल के पुनरुद्धार की मांग रखी। उन्होंने हमारी बात सुनी भी

और विधायक कोटे से ₹4 करोड़ 45 लाख का भारी-भरकम बजट स्वीकृत करवा दिया। लेकिन कागजों पर बजट आने के बाद जो हुआ, वो प्रशासनिक नाकामी का सबसे बड़ा उदाहरण है। जिस कांट्रैक्टर को टेंडर दिया गया, उसने यह कहकर काम छोड़ दिया कि रास्ता बहुत संकरा है, गाड़ियां अंदर नहीं आ सकतीं और गधों पर लादकर सीमेंट-बजरी ले जानी पड़ेगी। मैं पूछता हूँ कि अगर विधायक या क्षेत्र के पार्षद थोड़े संजीदा होते, तो क्या वे कांट्रैक्टर की समस्या का समाधान नहीं निकाल सकते थे? प्रशासन की इसी सुस्ती ने आज 300 बच्चों को अनपढ़ रहने पर मजबूर कर दिया।"

स्थानीय विधायक अमीन कागजी की सफाई :-

इस पूरे विवाद और जनता के आक्रोश पर जब 'रॉयल पत्रिका' ने किशनपोल विधायक अमीन कागजी से सीधा सवाल किया, तो उन्होंने अपनी सफाई में तकनीकी पेचीदगियों का हवाला दिया— "मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि बच्चों को परेशानी हो रही है और स्कूल की स्थिति खराब है, लेकिन मेरी नीयत में कोई खोट नहीं है। मैंने खुद आगे बढ़कर अपने विधायक कोटे से ₹4 करोड़ से अधिक की राशि इसके लिए स्वीकृत करवाई है। इस काम को शुरू करने के लिए एक बार नहीं, बल्कि तीन-तीन बार सरकारी टेंडर जारी किए गए। लेकिन चारदीवारी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घनी आबादी और संकरे रास्तों के कारण कोई भी बड़ा ठेकेदार (बीडर) वहां मशीनें और निर्माण सामग्री ले जाने को तैयार नहीं होता। स्कूल के बिल्कुल पास लोगों ने चार से पांच मंजिला अवैध और वैध मकान बना लिए हैं। अगर हम बिना सोचे-समझे वहां भारी खुदाई या निर्माण शुरू कर दें, तो उन रिहाइशी मकानों के ढहने का खतरा है। हमें उन मकानों को भी सुरक्षा (प्रोटेक्शन) देनी है। इसी वजह से एक विशेष

'टेक्निकल फिजिबिलिटी रिपोर्ट' तैयार करवाई गई है। पहले इसकी निर्माण एजेंसी PWD थी, लेकिन उनकी विफलता के बाद अब हमने इसकी कमान 'नगर निगम' को सौंपी है। वर्तमान में यह फाइल टेक्निकल सैंक्शन (TS) के लिए DLB (स्थानीय निकाय विभाग) भेजी गई है, क्योंकि इसमें बिजली, पानी और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के नए कंपोनेंट्स जोड़े गए हैं। महाराजा स्कूल की दूरी केवल 150 से 200 मीटर ही है, 1 किलोमीटर नहीं। बहरहाल, अगले 10 से 15 दिनों में नगर निगम इसका बिल्कुल नया टेंडर जारी करने जा रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार सभी तकनीकी बाधाएं दूर कर ली गई हैं और अगले ६ महीनों के भीतर स्कूल का पुनर्गठन और भव्य निर्माण कार्य धरातल पर दिखाई देगा।"

पूर्व छात्र और भाजपा नेता फरीदुद्दीन जैकी का दर्द:

स्कूल के पूर्व छात्र और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष फरीदुद्दीन जैकी ने अपनी पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा— "मेरा इस मिट्टी से सीधा नाता है, मैंने इसी स्कूल से पढ़ाई की है। हमारे समय में यहाँ जयपुर की सबसे बेहतरीन फैकल्टी और पढ़ाई का माहौल हुआ करता था। हमारे पूर्व विधायक मोहन लाल जी गुप्ता ने भी इसकी अहमियत को समझा था और अपने कोटे से ₹15 लाख रुपये इसके तात्कालिक रख-रखाव के लिए दिए थे। उन्होंने आगे के बड़े निर्माण की भी रूपरेखा तैयार की थी, लेकिन राजनीतिक बदलाव के कारण काम रुक गया। पिछले 10 वर्षों से यहाँ अमीन कागजी विधायक हैं, लेकिन उनके पास इस ऐतिहासिक स्कूल को बचाने का समय नहीं है। अधिकारी केवल औपचारिकता निभाने आते हैं, फाइल पर दस्तखत करते हैं और चले जाते हैं। पिछले दिनों जब अंदर की एक दीवार ढही, तो बड़ा हंगामा हुआ था। अगर प्रशासन को लगता है कि वे बच्चों के हक को दबा देंगे, तो यह उनकी भूल है। हम इस लड़ाई को अंतिम अंजाम तक लेकर जाएंगे।"

रॉयल पत्रिका व्यू (Editorial Comment): तकनीकी पेंच बनाम मासूमों का भविष्य:-

यह बेहद विडंबनापूर्ण और निंदनीय है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में ₹4.45 करोड़ की भारी-भरकम राशि सरकारी तिजोरी में होने के बावजूद, केवल 'तकनीकी पेंच' और 'संकरे रास्तों' का बहाना बनाकर एक ऐतिहासिक स्कूल को खंडर बनने दिया गया। नेताओं के आश्वासन अपनी जगह हैं और विभागों की फाइलें अपनी जगह, लेकिन इस बीच जिन 300 बच्चों की पढ़ाई हमेशा के लिए छूट गई, उनके जीवन में आए इस अंधेरे की भरपाई कौन सा विभाग करेगा? विधायक का 6 महीने का नया आश्वासन' जनता की आंखों में धूल झोंकने जैसा है या इसमें इस बार कोई सच्चाई है, यह आने वाला समय बताएगा। लेकिन एक बात साफ है— यदि अब भी कदम नहीं उठाए गए, तो कलम पकड़ने वाले ये मासूम हाथ कल को मजदूरी की बेड़ियों में जकड़े नजर आएंगे।

भाजपा के पार्षद प्रत्याशी मुस्ताक अहमद का आंदोलन का अल्टीमेटम:

क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय प्रत्याशी संस्था के प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को आड़े हाथों लिया— "पिछली सरकार के दौरान यहां के विधायक भी सत्ताधारी दल के थे, नगर निगम की महापौर भी उनकी थीं और पूरी व्यवस्था उनके हाथ में थी। इसके बावजूद पूरे 5 साल में इस स्कूल के लिए केवल कागजी घोड़े दौड़ाए गए। चुनाव नजदीक आते ही जनता को गुमराह करने के लिए करोड़ों के बजट की घोषणाएं की गईं, लेकिन धरातल पर एक ईंट तक नहीं रखी गई। इस घोर लापरवाही के सीधे जिम्मेदार हमारे स्थानीय जनप्रतिनिधि हैं। 1 लाख की माइनॉरिटी आबादी वाले इस गरीब क्षेत्र ने उन्हें एकतरफा वोट देकर जिताया था, लेकिन बदले में उन्हें क्या मिला? उनके बच्चों से शिक्षा छीन ली गई। बच्चों को मुख्य मार्ग पार करके 1 किलोमीटर दूर भेजा जा रहा है। क्या कोई मजदूर पिता अपनी दिहाड़ी छोड़कर रोज बच्चों को स्कूल छोड़ने जाएगा? हम इस कागजी बजट को नहीं मानते। हम 'रॉयल पत्रिका' के माध्यम से प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दे रहे हैं— यदि अगले 6 महीनों के भीतर इस खंडर को तोड़कर नए स्कूल का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर शुरू नहीं हुआ, तो हम पूरी जनता को सड़कों पर उतारेंगे। यह आंदोलन इतना उग्र होगा कि सचिवालय तक की दीवारें हिल जाएंगी।"

जयपुर में बूंद-बूंद को तरसी जनता

अधिकारियों के झूठ और पार्षद की लापरवाही से बेहाल महिलाओं ने दी चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजधानी जयपुर में इन दिनों पानी की किल्लत ने विकराल रूप ले लिया है। जयपुर के वार्ड नंबर 56 के तहत आने वाली नाहरी का नाका, पेंटर कॉलोनी में पिछले एक महीने से अधिक समय से पीने के पानी की बूंद-बूंद के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है। स्थानीय निवासी इस भीषण गर्मी में पानी की भारी समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई सुध नहीं ली जा रही है। कॉलोनी के घरों में पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। 'जल ही जीवन है' का नारा यहाँ के हालातों को देखकर पूरी तरह खोखला साबित हो रहा है और लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं।

बूंद-बूंद पानी को तरसती बुजुर्ग महिलाएं-

इस गंभीर संकट के बीच सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों को उठानी पड़ रही है। कॉलोनी की बुजुर्ग महिलाएं खाली मटके और डिब्बे लेकर पानी की तलाश में दूर-दूर तक भटकने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें पीने और नहाने के पानी के लिए पास के मंदिर या अन्य दूरदराज के इलाकों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कई दिनों से लोगों को नहाने तक के लिए पानी नसीब नहीं हुआ है। पानी की भारी किल्लत और लगातार भारी बर्तन उठाकर दूर से लाने के कारण कई बुजुर्ग महिलाएं शारीरिक रूप से बीमार और पैरों के दर्द से बेहाल हो चुकी हैं।

आपसी सांठगांठ में पिस रही आम जनता-

स्थानीय निवासियों ने पानी न आने के पीछे अधिकारियों की आपसी मिली -भगत और घोर लापरवाही का सनसनीखेज आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि जलदाय विभाग के अधिकारी अनिल शर्मा अक्सर स्थानीय ऑपरेटर एमडी शेख को फोन करते हैं और पूछते हैं कि कॉलोनी में पानी आया है या नहीं। इस पर एमडी शेख विभाग को गुमराह करते हुए झूठ बोल देता है कि पानी भेज दिया गया है और सप्लाई सुचारू है, जबकि हकीकत में जनता के घरों के नल सूखे पड़े हैं। अधिकारियों के इस झूठ और आपसी सांठगांठ के खेल में कॉलोनी की निर्दोष और बेबस जनता बुरी तरह पिस रही है।

स्थानीय पार्षद और अधिकारियों की घोर लापरवाही-

जनता का सबसे ज्यादा गुस्सा स्थानीय पार्षद असलम और जल विभाग के गैर-जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ फूट रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पार्षद उनकी समस्याओं को सुनने के बजाए अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। जब भी जनता शिकायत लेकर जाती है, तो उन्हें झूठा आश्वासन देकर टाल दिया जाता है। ग्राउंड जीरो से जब रिपोर्टर द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों को फोन मिलाकर हकीकत जानने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कॉल को फॉरवर्ड कर दिया और जनता को जवाब देना तक मुनासिब नहीं समझा। अधिकारियों का यह रवैया उनकी संवेदनहीनता को साफ दर्शाता है।

टूटे सब्र के बाद फूटा महिलाओं का-

लगातार हो रही प्रशासनिक अनदेखी के कारण अब स्थानीय जनता का सब्र पूरी तरह से टूट चुका है और कॉलोनी में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। पानी के लिए तड़पती बुजुर्ग महिलाओं ने बेहद उग्र रुख अपनाते हुए कड़ी चेतावनी दी है। गुस्से से लाल महिलाओं ने साफ शब्दों में कहा कि "अब आने दो पार्षद को, पत्थर लेकर उसका सिर फोड़ दूंगी और उसे चप्पलों की माला पहनाकर यहाँ से भगाऊंगी।" जनता का कहना है कि वोट लेने के बाद नेता गायब हो जाते हैं, लेकिन अब वे चुप बैठने वाले नहीं हैं और इस बदइंतजामी का करारा जवाब देंगे।

आगामी चुनाव में वोट का बहिष्कार करेंगे-

इस प्रशासनिक लापरवाही से तंग आकर अब कॉलोनी की महिलाओं और पुरुषों ने नेताओं को सबक सिखाने का मन बना लिया है। क्षेत्र में जल्द ही स्थानीय चुनाव होने वाले हैं, और इसे लेकर जनता के भीतर गहरा रोष व्याप्त है। कॉलोनी के लोगों ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया है कि यदि उनके इलाके में पानी की समस्या का तुरंत स्थाई समाधान नहीं किया गया, तो वे आने वाले चुनाव में पूरी तरह से मतदान का बहिष्कार करेंगे। महिलाओं ने साफ कर दिया है कि पानी नहीं तो वोट नहीं, और चुनाव के दौरान किसी भी नेता को कॉलोनी की दहलीज पर कदम नहीं रखने दिया जाएगा।

जयपुर के झोटवाड़ा में समस्याओं का अंबार

उद्योग नगर और संजय नगर में निगम की लापरवाही, जनता बेहाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के झोटवाड़ा क्षेत्र में स्थित उद्योग नगर और संजय नगर के निवासी इन दिनों नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। क्षेत्र में चारों तरफ पसरी अव्यवस्थाओं, सड़कों की बदहाली और कचरों के ढेरों ने स्थानीय प्रशासन की पोल खोलकर रख दी है । स्थानीय निवासियों में नगर निगम, क्षेत्रीय पार्षद और सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

कचरे के ढेर और बदहाल सड़कें बनीं मुसीबत

उद्योग नगर और संजय नगर की मुख्य सड़कों पर कचरे के बड़े-बड़े और लंबे ढेर लगे हुए हैं। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि सड़कों पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे आए दिन वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। सड़कों पर फैले कचरे के कारण पूरे इलाके में दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे स्थानीय लोगों में गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है।

बिजली विभाग की भी बड़ी लापरवाही

क्षेत्र में केवल साफ-सफाई ही नहीं, बल्कि बिजली विभाग की लापरवाही भी चरम पर है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में बिजली के पोल टूटे हुए हैं और कई जगहों पर खुले हुए बिजली के बॉक्स (डब्बे) लटके हैं, जिनमें नंगे तार दौड़ रहे हैं । यह खुली लापरवाही किसी भी वक्त बड़े हादसे को न्यौता दे सकती है, लेकिन शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

"पार्षद सुनते नहीं, विधायक तक पहुंच नहीं"

रॉयल पत्रिका से बातचीत के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि उन्होंने कई बार क्षेत्रीय पार्षद से सफाई और व्यवस्थाएं सुधारने की गुहार लगाई, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिलते हैं, धरातल पर कोई काम नहीं होता। कचरा उठाने वाली गाड़ियां भी समय पर नहीं आती हैं।

जब लोगों से विधायक से शिकायत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, "विधायक तक जाने का हमें मौका नहीं मिलता और न ही हमें पता है कि वहां तक कैसे पहुंचना है। हमारे लिए पार्षद ही एकमात्र जरिया हैं, लेकिन वे भी हमारी सुध नहीं ले रहे हैं।

कभी साफ रहने वाला इलाका अब बदहाली का शिकार

बुजुर्गों और स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि उद्योग नगर झोटवाड़ा का बेहद व्यस्त मार्ग है और पहले यहां काफी साफ-सफाई रहा करती थी। लेकिन

वर्तमान में नगर निगम की उदासीनता के कारण यह पूरा इलाका डंपिंग यार्ड में तब्दील हो चुका है। जनता का साफ कहना है कि यह नगर निगम और सरकार की विफलता का जीता-जागता उदाहरण है, जहां नागरिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

महवा में युवक के साथ मारपीट, अपहरण और लूट का मामला दर्ज

-दुकान से बुलाकर ले गए बदमाश, धारदार हथियार से हमला कर छीने 6,700 रुपए

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट, अपहरण और लूटपाट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित ने महवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि कुछ युवकों ने उसे दुकान से बुलाकर जबरन बाइक पर बैठाया, सुनसान स्थान पर ले जाकर बेरहमी से मारपीट की और जेब में रखे नकदी रुपए छीन लिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित मनोज सैनी पुत्र किशनलाल सैनी निवासी धन्तूरी ने रिपोर्ट में बताया कि 24 मई 2026 की रात करीब 11:30 बजे वह अपने घर पर घरेलू कार्य कर रहा था। इसी दौरान रोहिताश मीणा निवासी बाजा खेड़ा उसे धन्तूरी स्थित दुकान पर बुलाकर ले गया। वहां पहले से मौजूद प्रशांत, अजय सहित अन्य युवक नशे की हालत में बैठे थे। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और जबरन मोटरसाइकिल पर बैठाकर बाजना नदी के पास स्थित हनुमान मंदिर के समीप ले गए। वहां आरोपियों ने धारदार चाकू से हमला किया, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद आरोपियों ने उसकी जेब से 6,700 रुपए निकाल लिए और लात घूंसों से जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान युवक की शर्ट फट गई तथा उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और विभिन्न थानों में उनके खिलाफ लूटपाट व अन्य मामले दर्ज हैं। जाते समय आरोपियों ने धमकी दी कि यदि पुलिस में शिकायत की तो जान से मार देंगे। घटना के बाद पीड़ित ने महवा थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महवा में ग्रीष्मकालीन कौशल विकास शिविर का सीबीईओ ने किया औचक निरीक्षण

-प्रशिक्षणार्थियों को कौशल विकास कर स्वरोजगार से जुड़ने का दिया संदेश

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। उपखंड के पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ महवा के तत्वावधान में संचालित ब्लॉक स्तरीय ग्रीष्मकालीन कौशल विकास एवं अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर का सीबीईओ कमलेश मीना ने औचक निरीक्षण किया। साथ ही पीएम श्री विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों के लिए चल रहे अभिरुचि शिविर का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीबीईओ कमलेश मीना ने कहा कि सरकार द्वारा ग्रीष्मकाल के अवकाश का सदुपयोग करने के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सभी छात्र-छात्रा प्रशिक्षणार्थी रुचिपूर्ण कौशल का चयन कर पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण लें और अपने कौशल को विकसित करें। स्थानीय संघ महवा के सचिव हरेंद्र सिंह राजपूत ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर इसके महत्व पर प्रकाश डाला। सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य अरविंद पालीवाल ने हाथी और कौआ का प्रेरक प्रसंग सुनाकर प्रशिक्षणार्थियों को लोभ से दूर रहकर स्वरोजगार से जुड़ने और निःस्वार्थ सेवाभाव से आमजन व देशहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य हनुमान प्रसाद मीना ने प्रशिक्षणार्थियों को समाज व राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनने का संदेश दिया। ग्रीष्मकालीन विद्यालय प्रभारी श्याम सुंदर गुर्जर ने बताया कि पीएम श्री विद्यालयों के तहत अभिरुचि शिविर 1 जून तक और स्काउट्स का शिविर 20 जून तक संचालित होगा। शिविर में दक्ष प्रशिक्षक सिलाई की लक्ष्मी राजोरिया, ब्यूटीशियन की डिंपल खोवाल, कंप्यूटर के देवेंद्र सिंह, शैक्षणिक गतिविधि में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य अरविंद पालीवाल, योग प्राणायाम में श्याम सिंह, रचनात्मकता में संगीत कलाकार रामजीत गुर्जर व चित्रकला में सुरेश महावर द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें केसरा प्रधानाचार्य हरकेश मीना, गिर्राज प्रसाद सैनी, रामरतन सैन, कल्याण सहाय मीना अनुदेशक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। सभी छात्र-छात्रा प्रशिक्षणार्थी बड़े उत्साह से प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस दौरान दर्जनों छात्र-छात्रा प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे।

महिला कांग्रेस कमेटी की ओर से नारी न्याय सम्मेलन व पदभार ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली जिला महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा रविवार को "नारी न्याय सम्मेलन एवं पदभार ग्रहण समारोह" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुबह 10 बजे राजीव गांधी स्मृति भवन, पाली से जिला कलेक्ट्रेट तक आयोजित हुआ। कार्यक्रम राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह चौधरी के मुख्य आतिथ्य एवं नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला ने बताया कि कार्यक्रम के तहत नारी वंदन अधिनियम 2023 को तत्काल लागू करने तथा उसमें ओबीसी महिलाओं को शामिल किए जाने की मांग को लेकर रैली एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एवं एनटीए चेयरमैन के इस्तीफे की मांग को लेकर पुतला दहन किया गया तथा महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान महिला आरक्षण विधेयक को शीघ्र लागू करने की मांग उठाई गई। महिला आरक्षण के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पोस्टकार्ड अभियान भी संचालित किया गया। इसके अलावा बढ़ती पेट्रोल, डीजल एवं गैस सिलेंडर की कीमतों के विरोध में भी महिलाओं ने आवाज बुलंद की। कार्यक्रम में लोकसभा प्रत्याशी एवं पूर्व राज्यमंत्री संगीता बेनीवाल, प्रदेश महासचिव एवं जिला सह प्रभारी श्रवण पटेल, भुराराम सिरवी, प्रदेश सचिव डिंपल राठौड़, पूर्व विधायक खुशवीरसिंह जोजावर, प्रदेश कांग्रेस सदस्य महावीरसिंह सूकरलाई, ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई, यशपालसिंह शिवतलाव, राकेश चौहान, रोहट प्रधान सुनीता कंवर राजपुरोहित, रानी उपप्रधान शिलासिंह राजपुरोहित, अनिता परिहार, आमिना बानो, ब्यावर जिलाध्यक्ष ईशिका जैन, प्रदेश कांग्रेस सदस्य शोभा सोलंकी, नीलम बिड़ला, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब टी, प्रकाश सांखला, जीवराज बोराणा, जोगाराम सोलंकी, जिला महासचिव आमीन अली रंगरेज, भवर राव, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोरधन देवासी, भेरूसिंह सोनाणा, महावीर कटारिया, ओमा चौधरी, अंकिता बोहरा, सुरबाला चौधरी, संतोष दुबे, इंद्रा पंवार सहित सैकड़ों महिलाएं मौजूद रहीं। अंत में महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर महिला कांग्रेस की मुहिम को सफल बनाने पर कांग्रेस पार्टी के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

भाजपा खेड़ा जमालपुर मंडल अध्यक्ष गीता चौधरी की बूथ अध्यक्षों के साथ गुनसार में बैठक हुई आयोजित

हनीस शेख

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। हिण्डौन के गांव गुनसार में भाजपा खेड़ा जमालपुर मंडल अध्यक्ष गीता चौधरी की बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित की गई। बूथ अध्यक्ष जुबेर खान ने बताया कि बैठक में भाजपाइयों ने मंडल अध्यक्ष गीता चौधरी और मंडल मंत्री शोभा तिवारी का साफा पहनाकर अभिनन्दन किया गया। मंडल अध्यक्ष गीता चौधरी ने सभी बूथ अध्यक्षों का भाजपा पट्टी पहनाकर स्वागत सम्मान किया। भाजपा मंडल मंत्री शोभा तिवारी ने सभी बूथ अध्यक्षों को भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम प्रत्येक बूथ पर देखने व सुनने एवं सुनते हुए के फोटो सरल ऐप पर अपलोड करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में बूथ अध्यक्ष आस मोहम्मद, जुबेर खान, हरिप्रसाद, साबुद्दीन खान, मलखान, ऋषिकेश, राजेश, जीतेंद्र सिंह मीणा बूथ अध्यक्षों सहित दानिश खान, दीपक, सोनू, सोहैल खान, नईम खान, फैजान खान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

-विधायक भीमराज भाटी ने किया एम. डी. चोपदार का स्वागत

पाली (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार रविवार को पाली दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा आयोजित जिला कार्यकारिणी की प्रथम बैठक में भाग लिया और नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष जावेद सिरोहा ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार दोपहर 12 बजे कांग्रेस कार्यालय (राजीव गांधी भवन, पाली) पहुंचे। यहां पहुंचने पर जावेद सिरोहा के नेतृत्व में विधायक भीमराज जी भाटी, शहर अध्यक्ष हकीम भाई व पूर्व शहर अध्यक्ष मेहबूब टी की उपस्थिति में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद आयोजित मुख्य समारोह में प्रदेश अध्यक्ष ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की रही गरिमामयी मौजूदगी। इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुटता दिखाई।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से:

पाली विधायक भीमराज भाटी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष हकीम भाई, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष महबूब टी, प्रकाश सांखला व जीवराज बराणा, प्रदेश उपाध्यक्ष सेवादल मोहन हटेला, पंचायती राज जिला अध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल, जोगाराम सोलंकी पूर्व जिला परिषद सदस्य, प्रदेश संयुक्त सचिव आमीन अली रंगरेज़, इरशाद सिलावट, लाल मोहम्मद, सलीम रंगरेज, हकीम भाई, यूसुफ अशरफी, वज़ीर खान नायब सदर जिला वक़्फ़ बोर्ड पाली, अनवर सुहाना, रफीक चौहान, मांगू सिंह दुदावत, जोगाराम सोलंकी, शकील नागौरी, साबिर खान (एडवोकेट), मोनू माज, जिशान अली रंगरेज, सुरबाला काला, असगर भाई कुरेशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंसारी मोहल्ले के वार्ड 36 में पानी की किल्लत से जूझ रहे स्थानीय निवासी

सवाईमाधोपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद के वार्ड 36 के अंसारी मोहल्ले में पिछले कई महीनों से पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। बालाजी मंदिर के नीचे स्थित इस क्षेत्र में पानी का बोरिंग और पानी की टंकी दोनों ही खराब पड़े हैं, जिसके कारण स्थानीय निवासियों को जल आपूर्ति बाधित होने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्ले के साथ स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में नगर परिषद में कई बार शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। परिषद की इस अनदेखी के कारण क्षेत्र में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई है, जिससे दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर घर के कामकाज तक, सब कुछ प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने और पानी की सुचारु आपूर्ति बहाल करने की अपील की है।

दौसा में एक्सप्रेस-वे पर पकड़े गए बीफ से भरे दो कंटेनर

संजय रैसवाल

बांदीकुई (रॉयल पत्रिका)। दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार देर रात बड़ा मामला सामने आया। यहां गौ रक्षकों ने कथित तौर पर बीफ (गोमांस) से भरे दो कंटेनरों को पकड़ लिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि दोनों कंटेनर महाराष्ट्र से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे थे और दस्तावेजों की आड़ में मांस की खेप ले जाई जा रही थी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार 22 मई की रात करीब 1 बजे गौ रक्षकों को सूचना मिली कि एक्सप्रेस-वे से होकर कुछ संदिग्ध कंटेनर गुजर रहे हैं, जिनमें बड़ी मात्रा में गोमांस भरा हुआ है। सूचना मिलते ही गौ रक्षक सक्रिय हो गए और बांदीकुई क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के पास पहुंचकर वाहनों की निगरानी शुरू कर दी। कुछ देर बाद दो संदिग्ध कंटेनर वहां से गुजरते दिखाई दिए। गौ रक्षकों ने दोनों वाहनों को रुकवाया। बताया जा रहा है कि जैसे ही वाहन चालकों को कार्रवाई का अंदेशा हुआ, वे कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद गौ रक्षकों ने कंटेनरों की जांच की, जिसमें बड़ी मात्रा में मांस के पैकेट मिले। घटना की सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों कंटेनरों को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मांस के सैंपल लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह गोमांस है या नहीं। पुलिस दस्तावेजों और वाहन मालिकों की भी जांच कर रही है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और गौ रक्षक संगठनों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि घटना के 4 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उनका कहना है कि प्रदेश में लगातार इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं और प्रशासन को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल फरार वाहन चालकों की तलाश की जा रही है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

"वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" के तहत महवा में उपखंड स्तरीय समारोह आयोजित

-विधायक राजेंद्र मीना ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ, कहा- जल बचाना हम सभी का कर्तव्य

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" के अंतर्गत उपखंड स्तरीय समारोह का आयोजन तलाई, खोंचपुरी में किया गया। कार्यक्रम में महवा विधायक राजेंद्र मीना ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता कर जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और पानी की एक-एक बूंद बचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र मीना ने कहा कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि जल बचाने, जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने एवं प्रकृति संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करें। सामूहिक संकल्प और जनभागीदारी से ही जल संकट जैसी चुनौतियों का समाधान संभव है। विधायक ने कहा कि वर्तमान में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है। यदि समय रहते हम नहीं चेते तो आने वाले समय में पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं, तालाबों-जोहड़ों को अतिक्रमण मुक्त करवाएं और पेड़-पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाएं। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने भी जल संरक्षण पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष धारा सिंह गुर्जर पीपलखेड़ा, उपखंड स्तरीय अधिकारीगण, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच एवं भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे। अधिकारियों ने जल संरक्षण के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। अंत में सभी ने दोनों हाथ उठाकर जल बचाने और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जल संरक्षण से जुड़े पंपलेट भी वितरित किए गए।

जलसेन-खरैटा मार्ग बदहाल... अतिक्रमण और टूटी सड़क से 28 गांवों का संपर्क प्रभावित

-आक्रोशित ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की दी चेतावनी

हनीस शेख

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। हिंडौन सिटी में करौली रोड स्थित जलसेन से खरैटा तक जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों पूरी तरह बदहाल और जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। वर्षों से टूटी पड़ी सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे, उड़ती धूल और अतिक्रमण ने हालात इतने खराब कर दिए हैं कि लोगों का निकलना तक मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क करीब 28 गांवों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है, लेकिन प्रशासन की अनदेखी के चलते अब यह रास्ता परेशानी और हादसों का कारण बन गया है। सड़क संकरी होने और गड्ढों से भरी होने के कारण आए दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। मामूली बारिश में सड़क पर जलभराव हो जाता है, जिससे हालात और ज्यादा बिगड़ जाते हैं। इस समस्या का सबसे ज्यादा असर स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, किसानों, मरीजों और आम लोगों पर पड़ रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता धर्मवीर गौतम ने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही के कारण 28 गांवों का विकास और संपर्क प्रभावित हो रहा है। वहीं प्रतिनिधि मंडल के सदस्य नैमीचंद जाटव ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में मरीजों और प्रसूताओं को अस्पताल पहुंचाना भी बड़ी चुनौती बन गया है। इन्हीं समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने एकजुट होकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और जल्द अतिक्रमण हटाकर सड़क निर्माण करवाने की मांग की। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो 28 गांवों के लोग बड़ा आंदोलन और चक्का जाम करने को मजबूर होंगे। इस दौरान नेमीचंद तेजगांव, ज्ञान सिंह ठेकेदार, शकुंतला देवी पूर्व पार्षद, धर्मसिंह चौहान, भरत सिंह, मुनेश और दरबसिंह समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

बांदीकुई में सीवरेज लाइन डालने का सर्वे शुरू, इस महीने ही पूरा होगा काम

संजय रैसवाल

बांदीकुई (रॉयल पत्रिका)। बांदीकुईवासियों के लिए अच्छी खबर है। बांदीकुई में सीवरेज लाइन डालने का सर्वे काम शुरू हो गया है। ये कार्य इसी माह पूरा होने की उम्मीद है। सर्वे रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजी जाएगी, जिसके बाद सीवरेज लाइन बिछाने का काम शुरू हो सकेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में बांदीकुई और बसवा के लिए सीवरेज व ड्रेनेज सिस्टम की घोषणा की थी। ये घोषणा विधायक भागचंद टांकड़ा की मांग पर की गई थी। इस घोषणा के बाद शहर में सर्वे कार्य शुरू किया गया है। एक कंपनी द्वारा शहर के सभी 40 वार्डों और मुख्य बाजारों में ये सर्वे किया जा रहा है। इसमें गलियों और मोहल्लों की चौड़ाई, संकरे मार्ग और सीवरेज लाइन बिछाने की व्यवहार्यता का आकलन किया जा रहा है। सर्वे टीम के सदस्यों ने बताया कि ये कार्य इसी माह पूरा हो जाएगा। इसके बाद सीवरेज लाइन डालने के लिए नक्शा तैयार किया जाएगा और इसका प्रस्ताव सरकार को भेजा जाएगा। कुछ स्थानों पर हुए सर्वे में सामने आया है कि सीवरेज लाइन बिछाने में कोई विशेष परेशानी नहीं होगी। नगरपालिका जेईएन भोलू सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शहर में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए ड्रेनेज सिस्टम की भी घोषणा की है। इसके तहत, नगरपालिका उन स्थानों की पहचान करेगी, जहां बरसात के दिनों में पानी भर जाता है और उसके निकास के लिए योजना तैयार करेगी।

सामान्य चिकित्सालय के डॉ. सियाराम मीणा की सूझबूझ से 14 दिन बाद नवजात को मिला नया जीवन

-परिजनों ने डॉ. मीणा का माला पहनाकर किया स्वागत

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय सामान्य चिकित्सालय सवाई माधोपुर में वरिष्ठ शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सियाराम मीणा की सूझबूझ, विशेषज्ञता और सतत प्रयासों से एक गंभीर रूप से बीमार नवजात बच्ची को नया जीवन मिला है। जन्म के समय नाजुक स्थिति मासूम बच्ची 14 दिनों के निरंतर उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर गई। जानकारी के अनुसार अजनोटी निवासी प्रसूता बिलकिस ने 5 मई को सामान्य चिकित्सालय में एक बच्ची को जन्म दिया। जन्म के तुरंत बाद नवजात को सांस लेने में गंभीर परेशानी होने लगी। बच्ची न तो रो रही थी और न ही सामान्य रूप से सांस ले पा रही थी। डॉ. सियाराम मीणा ने स्थिति की गंभीरता को देखते नवजात को लेबर रूम से एसएनसीयू में भर्ती कराया। वहां बैग एवं मास्क वेंटिलेशन के माध्यम से कृत्रिम सांस दी गई। लगभग एक घंटे के अथक प्रयासों के बाद बच्ची को सीपैप सपोर्ट पर रखा गया तथा उसकी लगातार निगरानी के साथ उपचार शुरू किया गया। डॉ. मीणा ने बताया कि चिकित्सा दल की सतत निगरानी और समर्पित उपचार के चलते बच्ची की हालत में धीरे-धीरे सुधार होने लगा। करीब नौ दिन बाद उसे ऑक्सीजन सपोर्ट हुड पर शिफ्ट किया गया। उपचार के दौरान बच्ची ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और बाद में सामान्य रूप से दूध पीना भी शुरू कर दिया। लगातार 14 दिनों तक चले उपचार और चिकित्सकीय देखभाल के बाद नवजात पूरी तरह स्वस्थ हो गई। बच्ची के परिजनों ने चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की तत्परता, सेवा भावना को उसकी जिंदगी बचने का सबसे बड़ा कारण बताया। परिजनों ने बताया कि उनकी 12 वर्षीय बेटी बरसानी को तेज बुखार होने पर डॉक्टर सियाराम मीणा द्वारा उसका भी उपचार किया गया। उपचार मिलने पर बड़ी बेटी भी शीघ्र स्वस्थ हो गई। अपनी दोनों बेटियों को नया जीवन और बेहतर स्वास्थ्य मिलने से परिजनों ने सोमवार को सामान्य चिकित्सालय पहुंचकर डॉ. सियाराम मीणा का साफा बंधवाकर, माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर परिजनों ने अस्पताल प्रशासन, चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी सेवाओं की सराहना की।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सादुलपुर की जन आक्रोश सभा में सांसद राहुल कस्वा ने सरकार पर साधा निशाना

-बोले जनता पानी के लिए तरस रही सरकार गहरी नींद में, कांग्रेस नेताओं ने निकाय और पंचायत चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने का किया आह्वान

मोहम्मद अली पठान

चूरू/सादुलपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य बाजार में कांग्रेस पार्टी की तरफ से विशाल जन आक्रोश जनसभा का आयोजन पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां के सानिध्य में किया गया। सभा के बाद सभी नेता और बड़ी संख्या में लोग पैदल चलते हुए रेलवे स्टेशन होते हुए मिनी सचिवालय पहुंचे और उपखंड अधिकारी को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सभी नेताओं ने उपखंड अधिकारी को कहा कि 10 दिवस में व्यवस्था नहीं सुधरी तो सड़क जाम कर उग्र प्रदर्शन किया जायेगा। भंयकर गर्मी के बीच हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि आज सादुलपुर ही नहीं बल्कि चूरू जिले में पेयजल की भारी किल्लत से लोग बेहाल हैं। हालात इस कदर बेहाल हैं कि लोगों को हजारों रूपये देकर टैंकर डलवाने पड़ रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत्त काम अटके पड़े हैं। जिले में 70 करोड़ का डेविएशन का बजट स्वीकृत नहीं होने से अनेकों टंकिया जुड़ नहीं पा रही हैं, जिससे लोग प्यासे रहने को मजबूर हैं। इसी प्रकार बिजली की भयंकर अघोषित कटौती ने आमजन को बेहाल कर रखा है। कोई सुध लेने वाला नहीं है, जिला प्रशासन और सरकार गहरी नींद में सो रहे हैं और इस हुंकार के माध्यम से हम सब सोये हुए नकारा लोगों को जगाने का काम कर रहे हैं। सांसद ने कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीद से लेकर नगरपालिका तक भ्रष्टाचार का आलम है। 2 साल में 6 ईओ बदल चुके हैं, लेकिन काम कुछ हो नहीं पा रहा। शहर में गंदगी के ढेर लगे हैं। सांसद ने चिकित्सा सुविधाओं की बेहाली पर भी सरकार पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के स्वीकृत पदों में से लगभग पद खाली पड़े हैं, जांच मशीनें बंद पड़ी हैं, लेकिन प्रशासन और सरकार सुध नहीं ले रही। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि जनता को उसके हाल पर छोड़कर कहा जा रहा कि मैलोडी खाओ।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष और सुजानगढ़ विधायक मनोज मेघवाल ने कह कि भाजपा सरकार पूरी तरह फैल हो चुकी है। हम सबको लगातार मजबूती से आवाज उठान होगी और आगामी निकाय व पंचायत चुनावों में इनको करारी शिकस्त देकर आईना दिखाना है। पूरी कांग्रेस एकजुट है और चूरू जिले में मजबूती के साथ भाजपा की जनविरोधी नीतियों का मुकाबला करेंगे। तारानगर विधायक नरेन्द्र बुडानिया ने कहा कि बिजली और पानी के इतने खस्ताहाल किसी सरकार में नहीं देखे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अमरपुरा धाम में एक व्यक्ति पेयजल से फलों का बाग लगा रहा है लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा। महंगाई की मार और आर्थिक मौर्चे पर नरेन्द्र मोदी की विफलता ने जनता की कमर तोड़ने का काम किया है। पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया गया है। बिजली, पानी की व्यवस्था पूर्णतया पटरी से उतर चुकी है। सरकार में बैठे लोग खामोश हैं और जनता परेशान। जनता कांग्रेस की तरफ उम्मीद के साथ देख रही है, अतः कांग्रेस पार्टी भी चूरू जिले में एकजुट होकर पंचायत और निकाय में विजय हासिल करेगी और जनता के काम होंगे। पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया ने पानी, बिजली की अव्यवस्था के साथ-साथ एमएसपी खरीद में घोटाले को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ छलावा करने वालों को सजा दिलाने का काम करेंगे। सभा को पूर्व विधायक कमला कस्वां, पीसीसी सदस्य अमरसिंह सांगवान, जिला परिषद सदस्य कमला पूनिया व विमला कालवा, वरिष्ठ नेता मोहनलाल आर्य, पूर्व चैयरमैन जगदीश बैरासरिया, रियाजत खान, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक पूनिया, करतार टांडी, शीशपाल पूनिया, नाहरसिंह, महेन्द्र सहारण, रामकुमार मुहाल, मोहरसिंह कस्वां, नियाज मोहम्मद ने सम्बोधित किया। संचालन डॉ. कुलदीप पूनिया ने किया।

ब्रीफ खबरें

जयपुर विरोध प्रदर्शन में मुस्ताक खान पीसीसी सचिव ने दी गिरफ़्तारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से बड़ी तादाद में कांग्रेसजन मुस्ताक खान राजस्थान प्रदेश सचिव के नेतृत्व में नीट पेपर के लीक होने के खिलाफ जयपुर में बीजेपी कार्यालय के घेराव में अपने साथियों के साथ शामिल हुए और विरोध प्रदर्शन करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार कर विद्याधर नगर थाने में रखा विद्यार्थियों की हक की लड़ाई लड़ते हुए मुस्ताक खान गिरफ्तार हुए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आहवान पर केंद्र की सरकार के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने जयपुर की सड़कों पर प्रदर्शन किया और अनेक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तारिया दी और कहा- NEET पेपर लीक

देश के लाखों अभ्यर्थियों के साथ किया गया विश्वासघात है, जिसकी कोई माफी नहीं है। ये पेपर लीक भाजपा सरकार की नाकामी का सबूत है। छात्रों के सपनों को रौंदने वाली संस्था NTA को बैन किया जाए और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान अपने पद से तत्काल इस्तीफ़ा दें। ओर सख़्त से सख़्त सजा मिलनी चाहिए। आप के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता जयपुर पहुंचे थे।

चूरू 'संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम. आईपीएस ने बताया कि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के फिट इंडिया मिशन के तहत पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 'संडेज ऑन साइकिल' अभियान का एक विशेष संस्करण प्रारम्भ किया गया है। इस अभियान के तहत चूरू जिला पुलिस द्वारा 24 मई 2026, रविवार को प्रातः साईकलिंग के साथ-साथ योग, जुंबा और रोप स्किपिंग आदि गतिविधियों का सामुहिक रुप से जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाईन परेड ग्राउण्ड में आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में निश्चय प्रसाद एम आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला चूरू, सुनिल कुमार आरपीएस अति. पुलिस अधीक्षक चूरू, विजय कुमार आरपीएस साइबर पुलिस थाना चूरू, मुकुट बिहारी पुलिस निरीक्षक संचित निरीक्षक

पुलिस लाईन चूरू, श्रीमती रचना बिश्नोई पुलिस निरीक्षक महिला थानाधिकारी चूरू, मोटाराम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी सदर चूरू सहित पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारी, पुलिसकर्मियों के परिवारजन, सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, स्कूल व कॉलेज के बच्चों सहित लगभग 270 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस लाईन चूरू स्थित परेड ग्राउंड में योगा व जुम्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक चूरू ने जागरूकता हेतु पुलिस लाईन चूरू से साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो पुलिस लाईन चूरू से कलेक्ट्रेट सर्किल, रेलवे स्टेशन, सुभाष चौक, पंखा सर्किल, आपणी योजना होते हुए पुलिस लाईन चूरू पहुंची। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वस्थ शरीर, तनाव प्रबन्धन, इंधन बचत व पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम का संदेश "फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज" स्लोगन के माध्यम से दिया गया।

पालीवासियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पाली-दिल्ली ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर वासियों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को पाली रेलवे स्टेशन से दिल्ली जाने वाली नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन जयपुर होते हुए दिल्ली पहुंचेगी, जिससे पाली के यात्रियों को राजधानी तक सीधी रेल सुविधा मिल सकेगी। रेल मंत्री के पाली स्टेशन पहुंचने पर कार्यकर्ताओं और आमजन ने जोरदार जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। फूल-मालाएं पहनाकर और साफा बांधकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस

अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से ही पाली को जयपुर और दिल्ली से सीधे रेल मार्ग से जोड़ने की बड़ी मांग रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सौगात क्षेत्रवासियों को दी है। उन्होंने इसके लिए जनता का अभिनंदन करते हुए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। मंच पर पहुंचने के बाद रेल मंत्री ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद पी पी चौधरी, बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत, पूर्व सांसद पुष्प जैन, सोजत विधायक शोभा चौहान, मारवाड़ विधायक केसाराम, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख तथा जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने रेल मंत्री का स्वागत किया और इसे पाली जिले के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

सांचौर वेडिया के नवाब खान राजड़ के घोड़े ने पंजाब में जीती घुड़ दौड़

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। वेडिया जालौर जिले के वेडिया निवासी नवाब खान राजड़ के घोड़े ने पंजाब के मेगा जिले के आलम वाला गांव में आयोजित घुड़ दौड़ प्रतियोगिता में अपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विजेता को पुरस्कार स्वरूप दो ट्रॉफी और दो स्कूटी प्रदान की गई, जिसमें टीम और क्षेत्र में उत्साह का माहौल है घोड़े के मालिक सद्दाम खान राजड़ की टीम विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाली घुड़ दौड़ प्रतियोगिता में नियमित रूप से हिस्सा लेती हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा की पंजाब में यह जीत हासिल कर जालौर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी टीम का मुख्य लक्ष्य आगामी सभी रेसों में बेहतर प्रदर्शन करना और लगातार प्रथम स्थान प्राप्त करना रहता है। सद्दाम खान के अनुसार उनकी टीम राजस्थान, गुजरात, पंजाब सहित कई राज्यों में होने वाली घुड़ दौड़ प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लेती है और लगातार अपनी पहचान बना रही है या जीत टीम के अथक प्रयास और घोड़े के प्रशिक्षण का परिणाम है। राजड़ परिवार में अति उत्साह है कि उनका घोड़ा प्रथम स्थान हासिल करता है राजस्थान और जालौर जिले का नाम रोशन करता है उन्हें बहुत ही खुशी महसूस हुई हैं आगे भी प्रदेश का नाम रोशन हो ऐसी आशा के साथ प्रतियोगिता में भाग लगातार ले रहे हैं।

परंपरागत बकरा मंडी रांगनियां मोहल्ले में 24 मई से लगेगी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज के पर्व ईदुल अजहा को लेकर हर वर्ष लगने वाली बकरा मंडी इस वर्ष भी कुरैशी चौक रांगनियां मोहल्ला व्यापारियों का बास पाली (राज.) व हैदर कॉलोनी में लगेगी, बकरा मंडी का आयोजन 24 मई रविवार से 27 मई बुधवार तक होगा। यह जानकारी देते हुए असगर कुरैशी ने बताया कि हर वर्ष ईद उल अजहा के पर्व पर बकरा मंडी रांगनियां मोहल्ला में लगाई जाती है जिसमें राजस्थान के अलग-अलग जिलों से हर जाति धर्म के लोग बकरा खरीदने-बेचने के लिए आते हैं।

चूरू से मुस्लिम समुदाय द्वारा उठी मांग, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करे सरकार

-जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम समाज द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। मुस्लिम समाज की अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने समर्थन करते हुए कहा कि गाय हमारे हिंदू धर्म समाज के मानने वाले भाइयों की आस्था की प्रतीक है और हम मुस्लिम समुदाय इसका सम्मान करते हैं। हम चाहते हैं कि पूरे भारत में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए ताकि बहुसंख्यक समाज गाय को माता मानता है और आस्था का प्रतीक है। इसलिए हम मुस्लिम समाज की और से यह ज्ञापन प्रस्तुत कर रहे हैं। भारत में गाय को सदैव सम्मान, उपयोगिता और सेवा के प्रतीक के रूप में देखा गया है। गाय कृषि, दुग्ध उत्पादन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार रही है। इसके दूध, गोबर एवं अन्य उपयोग समाज और खेती दोनों के लिए लाभकारी माने जाते हैं।

इस्लाम धर्म में भी गाय को महत्वपूर्ण जानवर बताया गया है। हमारे देश में करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएँ गाय से जुड़ी हुई हैं। आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को ध्यान में

रखते हुए हम यह मांग करते हैं कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने हेतु भारत सरकार तक यह ज्ञापन पहुँचाया जाए। प्रशासन से विनम्र निवेदन है कि हमारी इस मांग को सरकार तक अग्रेषित करे। ज्ञापन देने वालों में कई सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता हसनैन भाटी, कांग्रेस पार्षद अजीज खान दिलावरखानी, अख्तर खान रूकनखानी (पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रॉयल विकलांग विकास संस्थान, पार्षद शमीउल्लाह, पार्षद आसिफ निवार्ण, पार्षद असलम खान मोयल, पार्षद अली मोहम्मद भाटी, जाकिर खान के के पुर्व भाजपा अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष, सुलेमान मनियर मुशाहिद सफी कुरेशी, जहीर अब्बास, तैयब ट्रेलर, सद्दाम हुसैन चौहान, बबलू रूकनखानी आदि काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय उपस्थित रहा।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग जालौर की नई जिला कार्यकारिणी घोषित

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग एम. डी. चोपदार प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी जालौर के अल्पसंख्यक विभाग की नई जिला कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों पर नियुक्तियां घोषित की गई। संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने और अल्पसंख्यक समाज की समस्याओं को प्रभावित ढंग से उठाने के उद्देश्य से यह कार्यकारिणी बनाई गई। नई कार्यकारिणी में जिला अध्यक्ष जाकिर खां जालौर, अयूब खान लुहार संगठन महासचिव, एडवोकेट हनीफ खान पहाड़पुर जिला प्रवक्ता, गुरुवेंद्र सिंह एवं उर्स मोहम्मद सरवाना सहित 10 जिला उपाध्यक्ष, नथमल जैन, इलियास शाह, मुख्तियार खां, मंजूर अली, साजन खां, अब्दुल शकूर सिंधी

कूड़ा सहित 35 जिला महासचिव, सदाम खां राजड़, समदर शाह भाटी सेडिया, मुबारक अली, राजू खां सहित 25 जिला सचिव, तौफीक मेमन सुल्तान खां सहित 10 संयुक्त सचिव,10 ब्लॉक अध्यक्ष,पांच नगर अध्यक्ष शामिल किए गए हैं ब्लॉक अध्यक्ष में फखरुद्दीन मेहर जालौर, सद्दाम हुसैन राजड सायला, चांद मोहम्मद आहोर, युसूफ खान भाद्राजून, नजीर खान भीनमाल, कासम खान मंगलिया बागोड़ा, एडवोकेट इब्राहिम शाह जुनेजा सांचौर, तालब खान चितलवाना, संजू खान रानीवाड़ा, रजाक जसवंतपुरा को ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं नगर अध्यक्ष सकुर खान लोहार जालौर, हबीब खान भाटी सायला, सिकंदर खान आहोर, दाऊद खान भीनमाल और अमित खान पार्षद सांचौर को नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पदाधिकारी ने बताया की नई कार्यकारिणी में अनुभवी में सक्रिय कार्यकर्ताओं का स्थान दिया गया है जिसमें संगठन को गांव-गांव तक मजबूती मिलेगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचा जा सकेगा। नव नियुक्ति अधिकारियों ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया। जिला अध्यक्ष जाकिर खां जालौर ने सभी को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वह संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभाते हुए कांग्रेस पार्टी को और सशक्त बनाएंगे।

एआई तकनीक का तीन दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण सम्पन्न

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। अपफ्रंट बैंगलोर की ओर से बुझावड़, जोधपुर स्थित मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय परिसर में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंन्सी) की विशेष तीन दिवसीय ट्रेनिंग गत 21 से 23 मई 2026 तक आयोजित हुई। इस अवसर पर मौलाना आजाद विश्विद्यालय के चेयरमैन मोहम्मद अतीक, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के सदस्य मोहम्मद अफजल कुरैशी, सईद खिलजी, यूनिवर्सिटी डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अब्दुल्लाह खालिद, डॉ. राजकुमार माथुर और साजिद खान जोधाणा उद्धघाटन समारोह में उपस्थित रहे। समस्त अतिथियों ने इस नई पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय के साथ चलना ही सफलता की पहली सीढी है और एआई समय की मांग है। अपफ्रंट से बैंगलुरू की नेशनल ट्रेनर तहसीना माज़, राजस्थान ट्रेनर भीलवाड़ा की डिंपल छिपा, जोधपुर के सुशील हाबिल की ओर से इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में बीए, बीएससी, कंप्यूटर साइंस, फार्मा व अन्य विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंन्सी (कृत्रिम बुद्धिमता) के आधारभूत नियम, इसके सॉफ्टवेयर और एआई को ऑर्डर के रूप में दी जाने वाली भाषा पर कमान्ड सहित विभिन्न जरूरी एवं वर्तमान व भविष्य के परिपेक्ष्य की एआई तकनीकों से नि:शुल्क प्रशिक्षण के रूप में रूबरू कराया गया। सुशील हाबिल ने बताया कि यह कार्यक्रम अनुदीप, एशियाई डेवलपमेंट बैंक, गूगल ऑर्ग, अपफ्रंट की ओर से सीएसआर के तहत नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जोधपुर के अन्य सभी कॉलेज के लिये भी होगा।

स्वास्थ्य योजना (RGHS) में आ रही समस्याओं को लेकर पेंशनर समाज ने सौंपा ज्ञापन

मोहम्मद यासीन

सोजत (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (RGHS) में आ रही समस्याओं को लेकर पेंशनर समाज सोजत शाखा अध्यक्ष लालचंद मोयल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नाम उपखंड अधिकारी मासिंगा राम जांगिड़ को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के दौरान पेंशनर द्वारा प्रदर्शन करते हुए नारेबाज़ी की गई। ज्ञापन में पेंशनर्स ने मांग की कि आरजीएचएस योजना को बीमा मोड पर नहीं दिया जाए तथा पेंशनर्स के लिए वर्तमान ओपीडी एवं आईपीडी व्यवस्था को यथावत जारी रखा जाए। साथ ही मूल योजना में किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करने की मांग भी उठाई गई। पेंशनर्स ने ज्ञापन में बताया कि आरजीएचएस के अंतर्गत निशुल्क चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने से कई पेंशनर्स को निजी रूप से नकद भुगतान कर इलाज करवाना पड़ा। उन्होंने मांग की कि 14 अप्रैल 2026 से पुनः निशुल्क चिकित्सा सुविधा शुरू होने तक जिन पेंशनर्स ने नकद भुगतान किया है, उनकी सम्पूर्ण राशि का पुनर्भरण किया जाए। इसके अलावा अनुमोदित अस्पतालों एवं फार्मा स्टोर्स को समयबद्ध नियमित भुगतान सुनिश्चित करने की मांग भी की गई, ताकि पेंशनर्स को बार-बार होने वाली परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। ज्ञापन सौंपने के दौरान पेंशनर समाज सचिव रामस्वरू भटनागर, शारीरिक शिक्षा संघ पाली जिला संरक्षक सत्तुसिंह भाटी चेतन व्यास जगदीश सिंह गहलोत डॉ रशीद गौरी शंकर लाल पारीक एडवोकेट जुगल किशोर दवे पारसमल सिंगाड़िया ओमप्रकाश कछवाह करण सिंह मोयल सहित कई पेंशनर उपस्थित थे।

हर दिन हादसों का डर... पटोंदा स्टैंड की बदहाल सड़क पर प्रशासन मौन

हनीस शेख

पटोंदा (रॉयल पत्रिका)। श्री महावीरजी रेलवे स्टेशन के समीप बर्ती पटोंदा स्टैंड पर सड़क की बदहाली अब आमजन के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी है। हालात ऐसे हैं कि बिना बारिश के भी सड़क पर पानी भरा रहता है और कीचड़ से पूरी सड़क तालाब जैसी नजर आती है। हर दिन इसी रास्ते से सैकड़ों वाहन चालक, स्कूली बच्चे, राहगीर और स्थानीय लोग गुजरते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग की आंखें अब तक बंद पड़ी हैं। यही मार्ग श्री महावीरजी रेलवे स्टेशन को जोड़ता है तथा दिगंबर जैन मंदिर आने वाले दूर-दराज के श्रद्धालु और पर्यटक भी इसी रास्ते से होकर गुजरते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बने गहरे गड्ढे अब हादसों की वजह बन चुके हैं। आए दिन बाइक चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं और कई लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। वाहन चालक इस रास्ते से निकलने में कतराने लगे हैं, क्योंकि सड़क पर फैला गंदा पानी और कीचड़ कभी भी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है। ग्रामीणों

के अनुसार सड़क पर भरा पानी केवल बरसात का नहीं, बल्कि आसपास की नालियों का गंदा पानी भी लगातार यहां जमा रहता है, जिससे हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। इस गंदे पानी से मच्छरों का प्रकोप दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है और बीमारियां फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बदबू और गंदगी के कारण आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग पूरी तरह बेखबर बना हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार प्रशासन और संबंधित विभाग को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन समाधान के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हुई। जिम्मेदार अधिकारियों की इस गंभीर समस्या पर अब तक "जूं तक नहीं रेंगी"। एक तरफ सरकार स्वच्छता और विकास के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने के दावे करती है, वहीं दूसरी ओर धरातल पर हालात बद से बदतर दिखाई दे रहे हैं। कागजों में सफाई पूरी दिखाई जाती है, लेकिन जमीनी हकीकत लोगों की परेशानी खुद बयां कर रही है। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर आमजन की जान जोखिम में डालने वाली इस सड़क और गंदगी की समस्या की सुध कौन लेगा? या फिर किसी बड़े हादसे और बीमारी फैलने के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी।

ग्रैंड पेरेंट्स के 'रिटायर' होने की सोच को गलत मानती हैं

रुबीना दिलैक

बच्चों की परवरिश में इनका अहम योगदान

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने अपनी जुड़वां बेटियों जीवा और ईधा की परवरिश को लेकर उठ रही आलोचनाओं का जवाब दिया है। रुबीना ने कहा कि समाज में यह धारणा फैली हुई है कि दादा-दादी को रिटायर होकर अपनी जिंदगी जीनी चाहिए, लेकिन उनके माता-पिता इस सोच से पूरी तरह असहमत हैं और मेरा भी मानना है कि बच्चों कि परवरिश में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी बेटियां फिलहाल शिमला में उनके माता-पिता के पास रह रही हैं, जबकि वह मुंबई में अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। कई लोग सोशल मीडिया पर यह सवाल उठा रहे थे कि सीनियर सिटीजन माता-पिता को पोतियों की देखभाल की बजाय अपनी जिंदगी पर ध्यान देना चाहिए। रुबीना ने इस आलोचना का जवाब देते हुए कहा, 'समाज कहता है कि दादा-दादी या नाना -नानी को अब रिटायर होकर अलग से अपनी जिंदगी का आनंद चाहिए, लेकिन मेरे माता-पिता या सास-ससुर इस सोच से सहमत नहीं हैं। वे अपनी मर्जी से हमें सपोर्ट करना चाहते हैं और बच्चों के साथ रहना चाहते हैं। जब वे खुद इसमें खुश हैं, तो बाहरी लोगों की इन बातों से फर्क नहीं पड़ता, उन्हें जो भी कहना है, कहने दो। 'अभिनेत्री ने अपनी मां के बारे में बताते हुए कहा कि सीनियर सिटीजन होने के बाद भी उनकी मां को नई जिंदगी और नया मकसद मिला है। उन्होंने बताया, 'मेरी मां कहती हैं कि जब वह जीवा और ईधा की आंखों में देखती हैं, तो उन्हें लगता है कि उन्हें दूसरी जिंदगी मिल गई है। वे इस समय को अपनी पोतियों को पालने-पोसने में लगाना चाहती हैं। 'रुबीना ने पति अभिनव शुक्ला के माता-पिता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उनके ससुराल वाले जब भी जरूरत पड़ती है, लुधियाना से मुंबई आकर बच्चों की देखभाल में मदद करते हैं। रुबीना ने परिवार के समर्थन पर कहा, 'मुझे अपने परिवार खासकर अभिनव से बहुत सपोर्ट मिलता है। मेरी जो भी उपलब्धियां हैं, वे उनकी वजह से हैं। अभिनव मुझसे ज्यादा बेटियों का ख्याल रखते हैं, मेरी मां उनका ध्यान रखती हैं और ससुराल वाले भी बच्चों के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। '

पापा के जाने से खालीपन महसूस होता है

धर्मेंद्र को याद कर नम हुई बॉबी देओल की आंखें

अभिनेता बॉबी देओल चैट शो 'शेखर टुनाइट' में होस्ट शेखर सुमन के साथ बातचीत के दौरान बेहद भावुक नजर आए। उन्होंने पिता के जाने से अपने जीवन में आए खालीपन के बारे में बात की। इस दौरान उनकी आंखों में आंसु नजर आए। बातचीत के दौरान शेखर सुमन ने भावुक होते हुए कहा, एक बहुत बड़ा पेड़ होता है जिसके नीचे पूरा परिवार बंधा होता है। जब वो चला जाता है तो बहुत खाली-खाली सा लगता है।' इस पर बॉबी देओल ने शेखर सुमन के बेटे के खोने के जख्म पर मरहम लगाते हुए कहा कि उन्होंने भी सालों पहले कम उम्र में अपने बेटे को खोया है। इस जख्म को कभी नहीं भरा जा सकता। बॉबी ने बताया, 'मेरे लिए मेरे पापा बेहद खास थे। वो ऐसे इंसान थे जिन्हें पूरी दुनिया बहुत प्यार करती थी। हमें यह एहसास हमेशा से था। अब जब वो चले गए तो ये दर्द सिर्फ हमारे परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए है। आज भी मैं जहां कहीं जाता हूं, लोग उन्हें याद करके इमोशनल हो जाते हैं। पापा बहुत स्पेशल थे। उनके जैसा कोई नहीं हो सकता। ' शेखर सुमन ने धर्मेंद्र की सादगी की तारीफ करते हुए कहा कि वे अपने परिवार के अलावा फार्महाउस पर मिलने वाले हर व्यक्ति चाहे माली हो या घरेलू मददगार सभी से प्यार से बात करते थे।

फिर साथ दिख सकती है माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की सुपरहिट जोड़ी

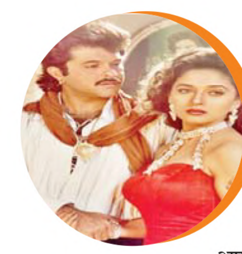

हिंदी सिनेमा की मशहूर जोड़ी माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर ने 80 और 90 के दशक में कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया और अपनी शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक बार फिर इस जोड़ी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने बताया कि आने वाले समय में माधुरी और अनिल कपूर एक बार फिर एक प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकते हैं। सुरेश त्रिवेणी इन दिनों अपनी नई सीरीज 'मां बहन' को लेकर चर्चा में हैं। शो के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इसी दौरान उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह साल बेहद खास रहा, क्योंकि मुझे एक ही साल में दो बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। एक तरफ मैंने अनिल कपूर के साथ सीरीज 'सूबेदार' में काम किया, वहीं दूसरी तरफ अब मैं माधुरी दीक्षित के साथ 'मां बहन' में काम कर रहा हूं। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा अनुभव है।'' सुरेश त्रिवेणी ने माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, 'मैं दोनों को फिर से एक साथ पर्दे पर लाना चाहता हूं। माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर कमाल लगती है, और अगर मुझे मौका मिला तो मैं जरूर दोनों को साथ लेकर कुछ नया बनाने की कोशिश करूंगा। अगर सब कुछ सही रहा तो दर्शकों को यह सुपरहिट जोड़ी फिर से देखने को मिल सकती है। 'सुरेश त्रिवेणी की इस बयान पर वहां मौजूद लोगों ने जमकर तालियां बजाई और अपनी खुशी जाहिर की। अगर माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की फिल्मों की बात करें तो दोनों ने बॉलीवुड को कई यादगार फिल्में दी हैं। 'बेटा', 'तेजाब', 'राम लखन', 'परिंदा' और 'धमाल 4' जैसी फिल्मों में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इन फिल्मों के गाने, डायलॉग और दोनों की केमिस्ट्री आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है।

डायरेक्टर डेविड धवन हुए इमोशनल

बेटे वरुण की तारीफ करते हुए छलके आंसू

डेविड धवन ने कहा, 'हर किसी को वरुण जैसा बेटा मिलना चाहिए। जब मैं अस्पताल में था, तब भी वह मेरे साथ वहीं सोता था। एक एक्टर के तौर पर भी उसमें लगातार सुधार हो रहा है। आप जो चाहोगे, वह आपको देगा, लेकिन एक पिता के तौर पर मैं कहूंगा कि हर किसी को ऐसा बेटा मिलना चाहिए।' 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े लीड रोल में नजर आएंगी। इसमें राजपाल यादव, जॉनी लीवर, चंकी पांडे और मनीष पॉल भी दिखाई देंगे। डेविड धवन और वरुण धवन की यह चौथी फिल्म है। इससे पहले दोनों की जोड़ी 'मैं तेरा हीरो', 'जुड़वां 2' और 'कुली नंबर 1' में नजर आ चुकी है। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी प्रेम कहानी हर बार असफल हो जाती है और फिर उसे किस्मत बदलने के लिए मदद मिलती है। दिलचस्प बात यह है कि वरुण इस फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगे। एक तरफ बॉय-नेक्स्ट-डोर लुक, तो दूसरी ओर ज्यादा मैच्योर अवतार। वर्कफ्रंट की बात करें तो इससे पहले वरुण फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने 'मेजर होशियार सिंह दहिया' का किरदार निभाया था। इस सुपरहिट फिल्म ने दुनिया भर में रू450 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था। कहानी में वरुण धवन का किरदार अपनी शादीशुदा जिंदगी और बाहरी रिश्तों के बीच बुरी तरह फंसा हुआ नजर आता है।

हर किसी को वरुण जैसा बेटा मिलना चाहिए

मैथिली ठाकुर के सुरों का जादू देख गदगद हुईं अक्षरा सिंह, सोशल मीडिया पर लुटाया प्यार

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह शनिवार को अपने पिता संग मुंबई में आयोजित मैथिली ठाकुर के लाइव म्यूजिक कंसर्ट का हिस्सा बनी। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की कुछ झलक उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में दोनों कलाकारों के बीच बॉन्डिंग साफ देखने को मिल रही है। पहली तस्वीर में अक्षरा सिंह और मैथिली ठाकुर मुस्कराते हुए सेल्फी लेती नजर आ रही हैं, तो दूसरी में मैथिली के भाई और अभिनेत्री अक्षरा सिंह के पिता नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने तस्वीर पोस्ट करते हुए मैथिली की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'मुंबई में माननीय विधायका व अपनी छोटी बहन मैथिली ठाकुर, अयाची व ऋषभ का लाइव शो देखने का मौका मिला। शानदार प्रस्तुति देखकर दिल खुश हो गया। इतनी कम उम्र में मेहनत, कला और सफलता को देखकर बहुत गर्व महसूस होता है। नए टूर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर करे तुम यूं ही नई ऊंचाइयां हासिल करती रहो और इतनी ही सहज बने रहना। '

एआई बिकनी वीडियो पर भड़कीं

रुक्मिणी वसंत

फेक कंटेंट फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही

फेक एआई से बने वीडियो और तस्वीरों को लेकर साउथ एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत भड़क गई हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी कई एआई-जनरेटेड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ वह कानूनी और साइबर क्राइम कार्रवाई शुरू कर रही हैं। रुक्मिणी ने अपने एक्स अकाउंट पर एक नोट शेयर कर लिखा, 'मेरी टीम और मैंने सोशल मीडिया पर कुछ एआई से बनाई गई तस्वीरें देखी हैं, जिनके बारे में दावा किया जा रहा है कि वो मेरी हैं। मैं साफ कहना चाहती हूं कि ये तस्वीरें पूरी तरह फर्जी और बनाई गई हैं। इस तरह की एडिटेड तस्वीरें बनाना और फैलाना बहुत गैरजिम्मेदाराना है। यह किसी की प्राइवेसी का बड़ा उल्लंघन भी है।'उन्होंने आगे लिखा, 'हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। इन तस्वीरों को बनाने और फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी और साइबर क्राइम कार्रवाई शुरू की जा रही है। मैं सभी लोगों से अपील करती हूं कि ऐसे कंटेंट को शेयर न करें और न ही उसे बढ़ावा दें।' पहले भी कई सेलिब्रिटी एआई-जनरेटेड कंटेंट का शिकार हो चुके हैं, जिनमें रश्मिका मंदाना, कैटरीना कैफ और कीर्ति सुरेश शामिल हैं। रुक्मिणी वसंत साउथ फिल्म इंडस्ट्री की तेजी से उभरती हुई एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने कन्नड़, तमिल और तेलुगु फिल्मों में पहचान बनाई है। रुक्मिणी ने साल 2019 में कन्नड़ फिल्म 'बिरबल' से फिल्मों में डेब्यू किया। साल 2025 में वह तमिल फिल्मों 'ऐस' और 'मधरसी' में नजर आई। इसी साल रिलीज हुई 'कांताराः चैप्टर 1' उनके करियर की सबसे बड़ी और सफल फिल्म बनी। अब वह जल्द ही यश के साथ फिल्म 'टॉक्सिक' में भी नजर आएंगी।

शेफाली शाह : संघर्ष से रहा गहरा नाता

आज दमदार किरदारों संग फिल्मों से लेकर ओटीटी तक की 'क्वीन'

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपने संजीदा अभिनय और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उन्हें हर जगह दर्शक स्वीकार कर चुके हैं। शेफाली शाह आज सफलता के आसमान पर हैं। हालांकि, सफलता तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी। यही वजह है कि आज वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में शुमार हैं।

शेफाली शाह बचपन से ही अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं और शुरुआती दिनों में आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा। कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई। इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शेफाली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी। इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी।

(साभार एजेंसी)

हैरी केन की हैट्रिक से बायर्न म्यूनिख ने जीता जर्मन कप, बुंदेसलीगा के बाद जीता दूसरा खिताब

म्यूनिख, एजेंसी। हैरी केन की शानदार हैट्रिक की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने डीएफबी-पोकाल (जर्मन कप) फाइनल में स्टटगार्ट को 3-0 से हराकर घरेलू डबल अपने नाम कर लिया। बायर्न ने इस जीत के साथ अपना 21वां जर्मन कप खिताब जीता और 2020 के बाद पहली बार इस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इससे पहले टीम इस सीजन में बुंदेसलीगा का खिताब भी जीत चुकी है। बायर्न के इतिहास में यह 14वां मौका है जब क्लब ने एक ही सीजन में लीग और कप दोनों खिताब जीते हैं। वहीं स्टटगार्ट का सीजन बिना किसी ट्रॉफी के समाप्त हुआ।

पहले हाफ में स्टटगार्ट ने दी कड़ी टक्कर

मैच की शुरुआत में स्टटगार्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और बायर्न को दबाव में रखा। शुरुआती मिनटों में डेनीज उंडाव और एंजेलो स्टिलर ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन बायर्न के गोलकीपर जोनास उरबिग ने शानदार बचाव किया। मैनुअल नोयर की जगह खेल रहे उरबिग ने कई महत्वपूर्ण सेव किए। दूसरी ओर बायर्न की टीम लंबे समय तक गेंद अपने पास रखने के बावजूद लय में नजर नहीं आई। हैरी केन ने पहले हाफ में एक हेडर बाहर मारा, जबकि लुइस डियाज का शॉट स्टटगार्ट के गोलकीपर अलेक्जेंडर नुबेल ने रोक लिया।

दूसरे हाफ में बदला मैच का रुख

मैच का टर्निंग पॉइंट 55वें मिनट में आया। माइकल ओलिसे पर फाउल के बाद बायर्न ने तेजी से खेल शुरू किया। ओलिसे ने दाहिने छोर से शानदार क्रॉस दिया, जिस पर हैरी केन ने हेडर के जरिए गोल दागकर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद स्टेडियम में आतिशबाजी और धुएं के कारण मैच कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू होने के बाद बायर्न ने पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। 80वें मिनट में केन ने लुइस डियाज के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए दूसरा गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में स्टिलर के हैंडबॉल के कारण मिले पेनाल्टी पर गोल कर उन्होंने अपनी हैट्रिक पूरी कर ली।

जीत के बाद क्या बोले केन और कोम्पनी

मैच के बाद हैरी केन ने कहा, 'यह धैर्य बनाए रखने का मुकाबला था। पहला हाफ कठिन रहा, लेकिन हमने विपक्षी टीम को थका दिया। दूसरे हाफ में हमने शानदार प्रदर्शन किया और जीत के हकदार रहे। मुझे टीम पर बहुत गर्व है।' बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने कहा, 'हमने मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेला। पहले हाफ में मुकाबला बराबरी का था, लेकिन दूसरे हाफ में हमने अपना स्तर ऊपर उठाया। यह लगभग परफेक्ट कप फाइनल था।' वहीं स्टटगार्ट के कोच सेबास्टियन होएनेस ने कहा, 'हार का दुख बहुत बड़ा है। 55 मिनट तक हमने वैसा ही खेल दिखाया जैसा जरूरी था। हम काफी करीब थे।'

श्रेयस का तूफानः सरपंच साहब का शानदार शतक

11 चौके | **05** छक्के

पंजाब की जीत के हीरो बने अय्यर, टी-20 में हासिल की उपलब्धि

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ पर जीत के साथ पंजाब प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखने में कामयाब रही। शनिवार को खेले गए मुकाबले में पंजाब की जीत के हीरो कप्तान श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन सिंह रहे। दोनों के बीच हुई 140 रनों की शानदार साझेदारी ने विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं और मैच जीत लिया। इस मुकाबले में तमाम रिकॉर्ड्स बने जिन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

सरपंच साहब के नाम से मशहूर श्रेयस अय्यर ने इस मुकाबले में तूफानी शतक जड़ा। उन्होंने महज 51 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का पहला सैकड़ा पूरा किया और टीम को जीत दिलाई। वह 11 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 101 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रेयस अय्यर अब पंजाब किंग्स के लिए शतक लगाने वाले तीसरे कप्तान बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा केवल केएल राहुल और एडम गिलक्रिस्ट ने किया था। दोनों ने आरसीबी के खिलाफ क्रमशः 2020 में 132* रन और 2011 में 106 रनों की दमदार पारियां खेली थीं।

चेज में शतक लगाने वाले कप्तान

कप्तान	स्कोर	विपक्षी टीम	साल
वीरेंद्र सहवाग	119 रन	डेक्कन चार्जर्स	2011
विराट कोहली	108* रन	राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स	2016
संजू सैमसन	119 रन	पंजाब किंग्स	2021
श्रेयस अय्यर	101* रन	लखनऊ सुपर जाएंट्स	2026

टी20 में 7000 रन पूरे कर लिए

श्रेयस अय्यर ने टी20 क्रिकेट में एक और बड़ा मुकाम हासिल करते हुए अपने 7000 रन पूरे कर लिए हैं। पंजाब के लिए खेलते हुए 22/2 के मुश्किल स्कोर पर बल्लेबाजी करने उतरे अय्यर ने जिम्मेदारी भरी पारी खेली और प्रभसिमरन सिंह के साथ शतकीय साझेदारी कर टीम को मैच में बनाए रखा। खास बात यह रही कि अय्यर ने केवल 247 पारियों में 7000 टी20 रन पूरे किए, जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज बन गए। इस सूची में उनसे आगे केवल केएल राहुल (197 पारी), विराट कोहली (212 पारी) और शिखर धवन (246 पारी) हैं। वहीं, अय्यर ने आक्रामक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने इस आंकड़े तक पहुंचने में 249 पारियां ली थीं।

चेज में कप्तानों के शतक

श्रेयस अय्यर का यह शतक आईपीएल इतिहास के सबसे यादगार पलों में शुमार हो गया। रन चेज के दौरान शतक लगाने वाले कप्तानों की सूची में श्रेयस अय्यर का भी नाम शामिल हो गया। वह ऐसा करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह कारनामा वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजू सैमसन ने किया।

रिकॉर्ड साझेदारी की

इस मुकाबले में पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। प्रियांश (0) और कूपर कोनोली (18) ज्यादा देर तक विकेट पर नहीं टिक सके। इसके बाद प्रभसिमरन का साथ देने श्रेयस अय्यर आए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 76 गेंदों में 140 रनों की साझेदारी हुई। यह किसी भी विकेट के लिए पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों द्वारा निभाई गई पांचवीं सबसे बड़ी साझेदारी है। पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराकर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को जीवित रखा है। शनिवार को इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ ने जोश इंग्लिस की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाए।

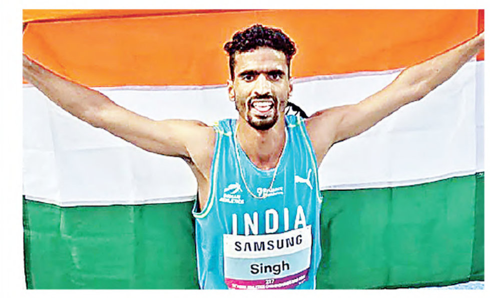

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले गुलवीर सिंह सुर्खियों में! तोड़ा 5000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड

लॉस एंजिलिस। भारत के स्टार लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए नया इतिहास रच दिया है। लॉस एंजेलिस में आयोजित एलए ट्रैक फेस्टिवल में गुलवीर ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। गुलवीर ने 13 मिनट 03.93 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में इरीट्रिया के हबतोम सैमुअल ने 12:57.22 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय धावक ने अपने पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13:11.82 को पीछे छोड़ दिया, जो उन्होंने सितंबर 2024 में जापान में बनाया था।

भारतीय सेना ने दी बधाई

गुलवीर सिंह की इस उपलब्धि पर भारतीय सेना ने भी गर्व जताया। इंडियन आर्मी स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'भारतीय सेना के खिलाड़ी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किया है। नायब सूबेदार गुलवीर सिंह ने लॉस एंजेलिस ट्रैक फेस्ट में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतते हुए 13:03.93 का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने अपने पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा और भारतीय लंबी दूरी की दौड़ को नई पहचान दी है।' पोस्ट में आगे कहा गया, 'गुलवीर अनुशासन, मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं।

भारतीय एथलेटिक्स के नए सितारे

गुलवीर सिंह फिलहाल अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स में ट्रेनिंग कर रहे हैं। वह 3000 मीटर से लेकर 25 किलोमीटर रोड रेस तक कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। उनके नाम 3000 मीटर, 5000 मीटर और 10000 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज हैं। इसके अलावा वह 5000 मीटर और 10000 मीटर में मौजूदा एशियाई चैंपियन भी हैं। 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 5000 और 10000 मीटर दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था।

इस साल लगातार शानदार प्रदर्शन

यह 2026 में गुलवीर का चौथा बड़ा मुकाबला था। उन्होंने साल की शुरुआत जनवरी में वर्ल्ड क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप से की, जहां वह सीनियर पुरुष वर्ग में 40वें स्थान पर रहे। फरवरी में अमेरिका के विंस्टन-सेलम में आयोजित साउंड रनिंग इनवाइट में उन्होंने 5000 मीटर शॉर्ट ट्रैक में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके बाद मार्च में न्यूयॉर्क हाफ मैराथन में उन्होंने 59 मिनट 42 सेकेंड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और एक घंटे से कम समय में हाफ मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले भारत का रिकॉर्ड अविनाश साबले के नाम था, जिन्होंने 2020 दिल्ली हाफ मैराथन में 1:00:30 का समय निकाला था।

प्लेऑफ से पहले आरसीबी को लगा तगड़ा झटका इंग्लैंड का ये विस्फोटक बल्लेबाज पूरे टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ मुकाबलों से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बेथेल अब इंग्लैंड लौटेंगे, जहां उनकी चोट का आगे इलाज और मेडिकल जांच की जाएगी। यह खबर ऐसे समय आई है जब आरसीबी को क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहम मुकाबला खेलना है।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में हुए थे चोटिल

जैकब बेथेल को यह चोट पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान लगी थी। फील्डिंग करते समय कैच पकड़ने की कोशिश में डाइव लगाते हुए उनकी बाएं हाथ की रिंग फिंगर चोटिल हो गई थी। इसी वजह से वह सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के आखिरी लीग मैच में भी नहीं खेले थे।आरसीबी ने शनिवार को कहा, 'जैकब बेथेल को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान बाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। मेडिकल जांच के बाद वह आगे के मूल्यांकन के लिए इंग्लैंड लौटेंगे।'

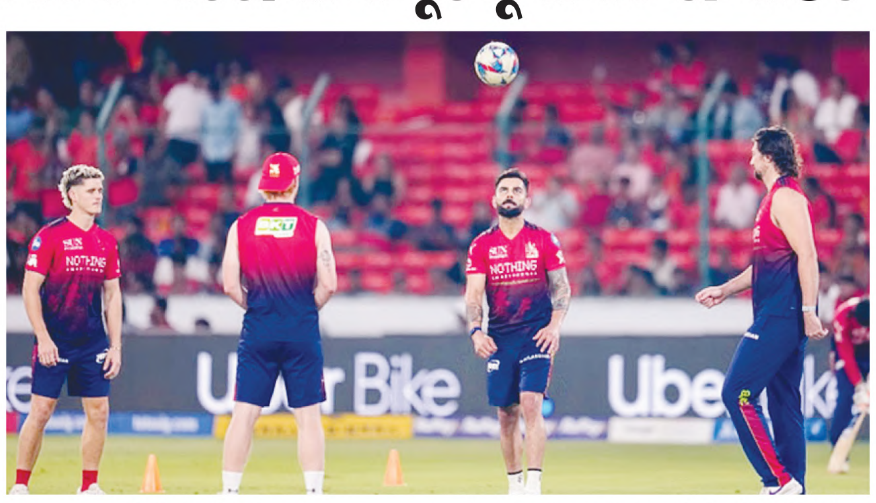

ईसीबी ने भी की पुष्टि

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भी खिलाड़ी की वापसी की पुष्टि की है। बोर्ड के अनुसार, बेथेल की मेडिकल टीम लगातार निगरानी करेगी ताकि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता तय की जा सके।

प्लेऑफ से पहले आरसीबी की बढ़ी चिंता

आरसीबी ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में टॉप स्थान हासिल किया था। हालांकि, प्लेऑफ से ठीक पहले बेथेल का बाहर होना टीम के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं, टीम के लिए राहत की खबर यह है कि स्टार ओपनर फिल सॉल्ट की वापसी हो चुकी है।

अर्जुन को खेलता देख क्यों भावुक हुए सचिन बोले- क्रिकेट धैर्य की भी परीक्षा लेता है

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए डेब्यू करने वाले अर्जुन तेंदुलकर को उनके पिता और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने खास अंदाज में बधाई दी। पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में अर्जुन ने भले ही टीम को जीत नहीं दिलाई, लेकिन अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान जरूर खींचा। मैच के बाद सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए बेटे अर्जुन की तारीफ की। उनका यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है।

सचिन तेंदुलकर ने अपने पोस्ट में लिखा, 'शाबाश अर्जुन। मुझे इस पूरे सीजन में तुम्हारे रवैये पर गर्व है। तुमने अपनी क्षमता पर भरोसा बनाए रखा, धैर्य रखा, चुपचाप मेहनत की और आखिरी मैच तक मौका नहीं मिलने के बावजूद सकारात्मक बने रहे।' उन्होंने आगे कहा, 'क्रिकेट सिर्फ कौशल ही नहीं, बल्कि धैर्य की भी परीक्षा लेता है और आज तुमने दोनों को शानदार तरीके से संभाला। जमीन से जुड़े रहो और खेल से हमेशा प्यार करते रहो। हमेशा प्यार।' सचिन के इस संदेश को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है और क्रिकेट प्रशंसक इसे बेहद भावुक पोस्ट बता रहे हैं।आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी थी, जिसके बाद टीम ने अपने आखिरी लीग मुकाबले में अर्जुन तेंदुलकर को डेब्यू का मौका दिया।

100 मीटर स्प्रिंट में 10.09 सेकंड का समय निकाल तोड़ा रिकॉर्ड

रांची, एजेंसी। पंजाब के उभरते हुए धावक गुरिंदरवीर सिंह ने भारतीय एथलेटिक्स में नया इतिहास रच दिया है। रांची में आयोजित 2026 एथलेटिक्स फेडरेशन कप में गुरिंदरवीर ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतते हुए 10.09 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही वह 100 मीटर दौड़ में 10.10 सेकंड से कम समय निकालने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद पंजाब से लेकर पूरे देश में खुशी की लहर है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और इसे पंजाब के लिए गर्व का क्षण बताया।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दी बधाई

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्वीट करते हुए कहा, 'हमारे होनहार खिलाड़ी गुरिंदरवीर सिंह को रांची में फेडरेशन कप की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई। गुरिंदरवीर इतने कम समय में रेस पूरी करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। पंजाब के बेटे ने लगातार दो दिनों में दूसरा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर राज्य का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।'

परिवार को बेटे पर गर्व

गुरिंदरवीर की मां रूपिंदर कौर ने बेटे की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, 'हमें बहुत गर्व और खुशी महसूस हो रही है कि हमारे बेटे ने इतिहास रच दिया। रिश्तेदार लगातार फोन करके बधाई दे रहे हैं। बचपन से ही वह बहुत खुशमिजाज था। उसके कोचों ने भी काफी मेहनत की। उसके पिता का सपना था कि वह एथलीट बने। मैं युवाओं से कहना चाहती हूं कि माता-पिता की बात सुनें, पढ़ाई और खेल दोनों पर ध्यान दें और नशे से दूर रहें।' मैं खुद वॉलीबॉल खेलता था और चाहता था कि वह खिलाड़ी बने। खेल ही ऐसा मंच है जहां आप अपना नाम बनाते हैं और माता-पिता व कोच को गर्व महसूस कराते हैं।'

कोच ने बताया मेहनत का सफर

गुरिंदरवीर के कोच सरबजीत सिंह ने कहा कि खिलाड़ी ने पिछले 10 वर्षों तक उनके साथ कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। गुरिंदरवीर ने मेरे साथ 10 साल तक ट्रेनिंग की। जैसे ही उसने सेमीफाइनल में अनीमेष का रिकॉर्ड तोड़ा, उसका आत्मविश्वास और बढ़ गया। उसने ऐतिहासिक रेस दौड़कर पंजाब का नाम पूरी दुनिया में रोशन कर दिया।'

कॉमनवेल्थ गेम्स पर नजर

गुरिंदरवीर ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान ट्रेनिंग पर रहेगा और वह भविष्य में कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने साथी धावक अनीमेष कुजूर और मणिकांत का जिक्र करते हुए कहा कि मजबूत प्रतिस्पर्धा खिलाड़ियों को बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है।

बधाइयों का लगा तांता

मानसिक मजबूती बनी सफलता की कुंजी

गुरिंदरवीर सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, कोच और सपोर्ट स्टाफ को दिया। उन्होंने कहा, 'यह बहुत शानदार एहसास है। मैं आगे भी कड़ी ट्रेनिंग करके अच्छे नतीजे लाना चाहता हूं। आखिरी समय में खेल शारीरिक से ज्यादा मानसिक मजबूती का होता है। मैं खुद को मानसिक रूप से मजबूत रख पाया और इसी वजह से अच्छा प्रदर्शन कर सका।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं अपने परिवार, कोच, डाइटिशियन और रिलायंस फाउंडेशन को श्रेय देना चाहता हूं। सभी ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे बेहतरीन सुविधाएं दीं।'

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक शटल ट्रेन में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 24 लोग मारे गए

» कराची, भाषा।

कराची पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक शटल ट्रेन में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 24 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने क्वेटा में हुए इस धमाके की जिम्मेदारी ली है। सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) के अनुसार, यह शटल ट्रेन क्वेटा छावनी से रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी, तभी इसे चमन फाटक के पास निशाना बनाया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संपर्क करने पर बताया कि मृतकों की संख्या 24 तक पहुंच चुकी है, हालांकि उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा और बढ़ सकता है।

कराची पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक शटल ट्रेन में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 24 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने क्वेटा में हुए इस धमाके की जिम्मेदारी ली है। सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) के अनुसार, यह शटल ट्रेन क्वेटा छावनी से रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी, तभी इसे चमन फाटक के पास निशाना बनाया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संपर्क करने पर बताया कि मृतकों की संख्या 24 तक पहुंच चुकी है, हालांकि उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, चलती ट्रेन में हुआ धमाका बेहद शक्तिशाली था। क्वेटा के दो अलग-अलग अस्पतालों के कम से कम दो चिकित्सकों ने पुष्टि की कि शवगृह में 20 शव रखे गए हैं। इनमें से एक चिकित्सक ने कहा, मैं आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कह सकता, लेकिन सिविल अस्पताल और बोलान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हमारे पास 20 शव हैं। दोनों चिकित्सकों ने यह भी बताया कि महिलाओं और बच्चों समेत 50 से अधिक लोगों का दोनों अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कुछ शव और घायल क्वेटा जिला अस्पताल भी ले जाए गए हैं। बीएलए के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि यह हमला उस समय किया गया जब ट्रेन छावनी क्षेत्र से सैन्यकर्मियों को ले जा रही थी। बलूचिस्तान प्रांत की सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने पहले 14 मृतकों का आंकड़ा दिया था, जिसे बाद में बढ़ाकर उन्होंने मौतों की संख्या बढ़ने की पुष्टि की। उन्होंने फोन पर कहा, हम जल्द ही एक और मीडिया ब्रीफिंग देंगे, लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि हताहत लोगों की संख्या बढ़ी है। सरकार ने इससे पहले बताया था कि मृतकों में फ्रंटियर कोर के तीन कर्मी शामिल हैं।

पाकिस्तान के रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि शटल ट्रेन में असैन्य यात्री भी सवार थे और धमाका इंजन तथा तीन डिब्बों में हुआ। टेलीविजन चैनलों ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि उन्होंने विस्फोटक से भरी एक मिनीवैन को ट्रेन से टकराते हुए देखा, जिसके बाद धमाका हुआ। विस्फोट की तीव्रता से आसपास खड़े वाहनों के शीशे और नजदीकी इमारतों की खिड़कियां टूट गईं। अधिकारियों के अनुसार, बड़ी संख्या में यात्री ईद पर्व के लिए अपने गृह नगरों की ओर जाने के लिए रेलगाड़ियों का इंतजार कर रहे थे।

आतंकियों ने शांति समिति के चार सदस्यों की हत्या की

पेशावर, (भाषा)। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में रविवार को आतंकवादियों ने घात लगाकर स्थानीय शांति समिति के चार सदस्यों की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह वारदात अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले की कुलाची तहसील में हुई। पुलिस के अनुसार, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने शांति समिति के सदस्यों पर गोलीबारी की। उसने बताया कि इसके परिणामस्वरूप शांति समिति के चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले की अब तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों ने समिति के एक सदस्य का अपहरण भी कर लिया और शांति समिति के अन्य सदस्यों के पास से हथियार जब्त कर लिए। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया है।

बलूचिस्तान में शटल ट्रेन विस्फोट में 20 लोगों की मौत, प्रतिबंधित बीएलए ने ली जिम्मेदारी

कराची, (भाषा)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक शटल ट्रेन में एक शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 20 लोगों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान की खबर के अनुसार, शटल ट्रेन क्वेटा छावनी से शहर के रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी कि तभी चमन फाटक के पास इसे निशाना बनाया गया। बीएलए के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह हमला तब किया गया जब ट्रेन छावनी क्षेत्र से सैन्य कर्मियों को ले जा रही थी। सरकार ने हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर 14 लोगों की मौत की पुष्टि की, जिनमें फ्रंटियर कोर के तीन जवान शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 20 लोगों के मारे जाने की आशंका है जबकि मीडिया में प्रकाशित खबरों में मरने वालों की संख्या इससे अधिक बताई गई है। पाकिस्तान के रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि शटल ट्रेन में असैन्य यात्री भी थे और विस्फोट से इंजन व तीन डिब्बे प्रभावित हुए। विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास के वाहनों के शीशे और आस-पास की इमारतों के शीशे चकनाचूर हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन में सवार अधिकांश यात्री आगामी ईद के त्यौहार के लिए अपने घर जाने वाली संपर्क ट्रेनों को पकड़ने की प्रतीक्षा कर रहे थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा, आतंकवाद के ऐसे कायरतापूर्ण कृत्य पाकिस्तान की जनता के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, हम आतंकवाद के हर रूप को खत्म करने के अपने संकल्प पर अडिग हैं। जियो न्यूज की एक खबर के अनुसार, रेलवे अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर विस्फोट के बाद पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस को क्वेटा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया।

राजनीतिक ध्रुवीकरण पर आधारित नॉर्वे की पृष्ठभूमि वाली फिल्म फ्योर्ड ने कान में पाम डी ओर जीता

» कान, भाषा।

रोमानिया के निर्देशक क्रिस्टियन मुंगियू की राजनीतिक ध्रुवीकरण पर आधारित फिल्म फ्योर्ड ने कान फिल्मोत्सव में पाम डी ओर पुरस्कार अपने नाम किया। मुंगियू को दूसरी बार कान फिल्म महोत्सव का यह शीर्ष सम्मान मिला है। वह इससे पहले फोर मंथ्स, थ्री वीक्स एंड टू डेज के लिए यह पुरस्कार जीत चुके हैं। नॉर्वे की पृष्ठभूमि पर आधारित फ्योर्ड को 79वें कान फिल्म महोत्सव में उसकी प्रभावशाली कहानी के लिए व्यापक पैमाने पर सराहा गया। मुंगियू ने इस फिल्म को वामपंथी कट्टरता की कहानी बताया। फिल्म में सेबेस्टियन स्टैन और रेनेत रींसवे ने रोमानियाई ईसाई दंपति की भूमिका निभाई है जो नॉर्वे चले जाते हैं, लेकिन बच्चों को पीटने के कारण बाल सेवा विभाग उनके बच्चों को उनसे अलग कर देता है।

मुंगियू ने कहा, आज समाज बंटा हुआ है, विभाजित है। वह कट्टर हो गया है।... यह फिल्म हर तरह की कट्टरता के खिलाफ एक संकल्प है। यह उन बातों के पक्ष में है, जिनका हम अक्सर जिक्र करते हैं, जैसे आघात, समावेशन और सहानुभूति। मुंगियू पाम डी ओर दो बार जीतने वाले 10वें फिल्मकार बन गए हैं। आंद्रेई ज्व्यागिंत्सेव की मिनोटॉर ने ग्रां प्री यानी दूसरा पुरस्कार अपने नाम किया। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दो निर्देशकों ने साझा किया। पोलैंड के फिल्मकार पावेल पावलिकोव्स्की को फिल्म फादरलैंड के लिए और स्पेन के जेवियर एम्ब्रोसी एवं जेवियर काल्वो को द ब्लैक बॉल के लिए यह पुरस्कार दिया गया। रयूसुके हामागुची की फिल्म ऑल ऑफ अ सडन की दो अभिनेत्रियों वर्जिनी एफिरा और ताओ ओकामोटो ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार साझा किया। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी दो कलाकारों को मिला। लुकास धोंट की फिल्म कावर्ड के दो कलाकारों इमैनुएल माकिया और वैलेंटिन कैंपेन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया। सर्वश्रेष्ठ पटकथा का पुरस्कार इमैनुएल मार को ए मैन ऑफ हिज टाइम के लिए दिया गया। जूरी पुरस्कार यानी तीसरा स्थान जर्मन फिल्मकार वालेस्का ग्रिसेबाख की द ड्रीम्ड एडवेंचर को मिला।

चीन-नेपाल की टीम ने एवरेस्ट चोटी पर जमी बर्फ के नमूने निकाले

बीजिंग, (भाषा)। चीन और नेपाल के संयुक्त वैज्ञानिक अभियान दल ने अति-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों को समझने के लिए पहली बार माउंट एवरेस्ट के शिखर पर जमी बर्फ के नमूने प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। संयुक्त अभियान के सदस्यों ने 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत पर जमी बर्फ में ड्रिलिंग कर वैज्ञानिक अध्ययन के लिए नमूने प्राप्त किए। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, अभियान दल को बृहस्पतिवार को शिखर से पहली बार बर्फ के केंद्र से नमूना प्राप्त करने में करीब दो घंटे का समया लगा। अखबार ने कहा कि टीम ने नीचे उतरते समय कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों से भी बर्फ के नमूने एकत्र किए। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, इन नमूनों को कम तापमान पर संरक्षित रखने की स्थिति में प्रयोगशालाओं में ले जाया जाएगा ताकि दुनिया के सबसे ऊंचे क्षेत्र में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों, क्रायोस्फीयर (पूरी दुनिया में जमे जल के संदर्भ में इस्तेमाल) के विकास और अत्यधिक ऊंचाई पर वायुमंडलीय रिकॉर्ड पर अध्ययन किया जा सके। अखबार ने चीनी वैज्ञानिकों के हवाले से कहा कि एकत्रित नमूनों से अनुसंधानकर्ताओं को अति-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों, भारतीय मानसून के प्रभाव की सीमा, अति ऊंचाई वाले क्षेत्रों में प्रदूषकों के परिवहन मार्गों और माउंट एवरेस्ट के उत्तरी और दक्षिणी ढलानों के बीच जलवायु प्रतिक्रियाओं में अंतर को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलने की उम्मीद है। पृथ्वी की सबसे ऊंची पर्वत चोटी का अध्ययन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण इसमें अभूतपूर्व और काफी हद तक अपरिवर्तनीय बदलाव हो रहे हैं। नेपाल के काठमांडू से संचालित अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (आईसीआईएमओडी) ने मई 2023 में कहा था कि एवरेस्ट के आसपास के 79 ग्लेशियर केवल छह दशकों में 100 मीटर से अधिक पतले हो गए हैं, और 2009 के बाद से पतले होने की दर लगभग दोगुनी हो गई है। तिब्बती भाषा में माउंट एवरेस्ट को माउंट चोमोलंगमा के नाम से जाना जाता है। चीन और नेपाल ने 1961 में अपने सीमा विवाद को सुलझा लिया था, जिसके तहत सीमा रेखा माउंट एवरेस्ट के शिखर से होकर गुजरती है।

न्यूज ब्रीफ

फिलीपीन में निर्माणाधीन नौ मंजिला इमारत ढही, एक की मौत, 21 फंसे

» एंजिल्स (फिलीपीन), भाषा।

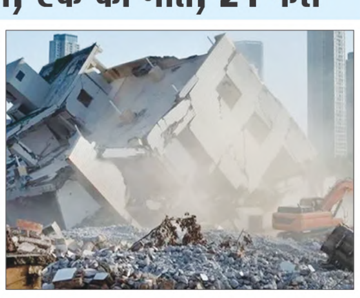

फिलीपीन की राजधानी मनीला के उत्तर में स्थित एक शहर में निर्माणाधीन नौ मंजिला इमारत के रविवार तडक़े ढह जाने से एक मलेशियाई पर्यटक की मौत हो गई, जबकि कम से कम 21 लोग मलबे में फंसे बताए जा रहे हैं, जिनमें अधिकतर श्रमिक शामिल हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों को जीवित पाया गया, लेकिन उन्हें तुरंत बाहर नहीं निकाला जा सका। उन्होंने बताया कि कम से कम 24 मजदूर या तो इमारत से भागने में कामयाब रहे, जहां वे ज्यादातर भूतल पर सोते थे, या इमारत के ढह जाने के बाद उन्हें बचा लिया गया। यह घटना अमेरिकी वायुसेना के पूर्व हवाई अड्डे के बाहर स्थित किफायती होटल, कैफे, स्पा और ग्रामीण मकानों से भरे एक घनी आबादी वाले इलाके में तडक़े लगभग ढाई बजे हुई।

अग्निशमन विभाग की अधीक्षक मारिया लीया सजिली ने बताया कि पम्पांगा प्रांत स्थित एंजिल्स सिटी में ढही इमारत के मलबे से आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए एक अतिथि भवन में एक मलेशियाई पर्यटक की मौत हो गई और एक अन्य अतिथि घायल हो गया। टेलीविजन चैनल पर प्रसारित दृश्यों में कंक्रीट की स्लैब, मुड़ी हुई लोहे की छड़ सहित अन्य मलबे के नीचे फंसे लोगों के रिश्तेदार प्रार्थना करते और रोते दिखे। परिजनों को लगभग 700 बचावकर्ताओं के संदेश का इंतजार है, जो मलबे को सावधानीपूर्वक हटाकर लोगों को बचाने के लिए ढही हुई इमारत में सुरक्षित रूप से प्रवेश करने की जगह बना रहे हैं। समाचार एजेंसी एपी से 18 वर्षीय छात्रा जोमेल अंगकाओ ने कहा, यह हमारे जीवन का सबसे बुरा दिन है। जोमेल और उसके भाई-बहन अपने माता-पिता के बारे में खबर का इंतजार कर रहे हैं, जो फंसे हुए लोगों में शामिल हैं। जोमेल के माता-पिता इमारत के बगल में खाने-पीने की चीजों और कॉफी का ठेला लगाते थे। जोमेल ने आंखों में आंसू के साथ कहा कि उसके माता-पिता ने गरीबी से संघर्ष करते हुए उसे और उसके भाई-बहन को स्कूल भेजा था। एंजिल्स सिटी में तेज आंधी-तूफान के बाद यह इमारत ढह गई। क्षेत्रीय पुलिस निदेशक ब्रिगेडियर जनरल जेस मेंडेज ने कहा कि बचाव कार्य में लगभग 200 पुलिस अधिकारी मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी लापता लोगों का पता नहीं लगा लिया जाता।

स्पेन की राजधानी में हजारों लोगों ने आवास की बढ़ती कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन किया

» मैड्रिड, भाषा।

स्पेन में मध्य मैड्रिड में बढ़ती आवास कीमतों के खिलाफ रविवार को हजारों लोगों ने रैली निकाली हाल के वर्षों में स्पेन की अर्थव्यवस्था में अच्छी वृद्धि होने के बावजूद आवासों की कीमतों में बढ़ोतरी जैसी समस्या के कारण स्पेन में खासकर राजधानी और बार्सिलोना जैसे शहरों में घर खरीदना या किराए पर लेना लोगों की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। स्पेन का आवास संकट 2027 में होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज की मुख्य राजनीतिक कमजोरियों में से एक है। विश्लेषकों के अनुसार, स्पेन में घर के स्वामित्व की मजबूत परंपरा रही है, जबकि किराए पर उपलब्ध सार्वजनिक आवास की संख्या बहुत कम है।

इसके साथ ही पर्यटन में वृद्धि और आप्रवासन से बढ़ती जनसंख्या के कारण आवास की मांग लगातार बढ़ी है, जिससे किराए में तेजी से वृद्धि हुई है। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की और आवास के अपने अधिकार से संबंधित बैनर लहराए। एक बैनर पर लिखा था, हमें पड़ोसी चाहिए, पर्यटक नहीं। स्पेन में बाजार के दबाव और कीमतें बढने की उम्मीद को लेकर होने वाली खरीद-फरोख्त से मकानों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे यहां कई लोगों के लिए घर खरीदना महंगा हो गया है। यह स्थिति खासकर बड़े शहरों और तटीय क्षेत्रों में देखने को मिल रही है।

कीव पर हमले में रूसी हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल, रूस ने की पुष्टि

» कीव, भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। इस हमले में कम से कम दो लोग मारे गए। यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि परमाणु या पारंपरिक युद्धक सामग्री ले जाने में सक्षम ओरेश्निक मिसाइल से कीव क्षेत्र के बिला त्सेरक्वा शहर पर निशाना साधा गया। उन्होंने बताया कि लक्ष्य का तुरंत पता नहीं चल पाया है। रूस ने पहली बार नवंबर 2024 में यूक्रेन के निप्रो शहर पर ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल किया था।

दूसरी बार इसका इस्तेमाल जनवरी में पश्चिमी लवीव क्षेत्र में किया गया था। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, इस संयुक्त हमले में 600 ड्रोन और 90 हवाई, समुद्री और जमीनी मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 549 ड्रोन और 55 मिसाइलों को नष्ट कर दिया या बीच में रोक दिया। वायु सेना ने बताया कि लगभग 19 मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाईं। इससे पहले, जेलेंस्की ने अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से मिली खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए चेतावनी दी थी कि रूस ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि ओरेश्निक ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक यानी मैक 10 की रफ्तार से लक्ष्य की ओर बढ़ती है और यह भूमिगत बंकरों को तीन, चार या उससे अधिक मंजिलों की गहराई तक नष्ट करने में सक्षम है। रूसी भाषा में ओरेश्निक का अर्थ हेजलनट का पेड़ होता है। चश्मदीदों के मुताबिक शनिवार रात हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से समूचे कीव में धुआं उठता दिखा। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के पत्रकारों ने शहर के मध्य हिस्से में स्थित इमारतों और सरकारी भवनों के पास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। रविवार सूर्योदय तक हमला जारी था तथा कीव पर और अधिक मिसाइल एवं ड्रोन से हमले की आशंका है। कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में बताया कि राजधानी के कम से कम नौ जिलों में आवासीय भवनों सहित कई जगहों पर नुकसान हुआ है। यूक्रेन की सरकारी आपातकालीन सेवा ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में पांच मंजिला आवासीय इमारत पर हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई। महापौर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि कीव के शेवचेंको जिले में एक स्कूल की इमारत पर हमला हुआ जिसमें लोग शरण लिए हुए थे। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि कीव में सुपरमार्केट और गोदामों को भी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के गवर्नर मायकोला कलाश्निक के अनुसार, कीव क्षेत्र में कई समुदायों को नुकसान पहुंचा है। रूस ने भी पुष्टि की कि उसने यूक्रेन पर रात के दौरान हमलों में हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल का इस्तेमाल किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि उसने ओरेश्निक सहित अन्य मिसाइल प्रणालियों का उपयोग करते हुए यूक्रेन के सैन्य कमान और नियंत्रण केंद्रों , वायुसेना अड्डों और सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए। हालांकि, मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ये लक्ष्य कहां स्थित थे। मंत्रालय ने यह भी कहा कि यह हमला रूसी क्षेत्र में नागरिक केंद्रों पर यूक्रेन के हमलों के जवाब में किया गया। हालांकि, उसने तुरंत कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को रूस के कब्जे वाले पूर्वी यूक्रेन में एक कॉलेज के छात्रावास पर ड्रोन हमले की निंदा की। रूस ने इन हमलों के लिए यूक्रेन पर आरोप लगाया है। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सेवा ने शनिवार देर रात बताया कि स्टारोबिलस्क में हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। इसमें कहा गया है कि गत रात हुए हमले में 42 अन्य लोग घायल हुए थे।

शहबाज शरीफ ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप के असाधारण प्रयासों की सराहना की

इस्लामाबाद, भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राजनयिक प्रयासों की रविवार को प्रशंसा की और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर सहित विभिन्न नेताओं के साथ बातचीत सार्थक रही। ट्रंप ने शनिवार को सऊदी अरब, कतर, तुर्किए, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), जॉर्डन और पाकिस्तान के नेताओं से फोन पर बातचीत की। ट्रंप ने ईरान में मौजूद पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी फोन पर बात की। मुनीर ने ईरान के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की और अमेरिका एवं ईरान के बीच निर्णायक समझौते तक पहुंचने के प्रयासों में तेजी लाने पर चर्चा की। मुनीर की यात्रा समाप्त होने पर राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बयान में कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर एक समझौता ज्ञापन को लेकर काफी हद तक बातचीत हो चुकी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, समझौते के अंतिम पहलुओं और विवरणों पर फिलहाल चर्चा जारी है और जल्द इसकी घोषणा की जाएगी। मुस्लिम बहुल देशों के नेताओं और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अलग-अलग बातचीत के बाद ट्रंप ने यह घोषणा की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने अपने बयान में ट्रंप की प्रशंसा करते हुए क्षेत्र में शांति के प्रयासों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने एक्स पर कहा, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति की दिशा में किए गए उनके असाधारण प्रयासों और आज सऊदी अरब, कतर, तुर्किए, मिस्र, यूएई, जॉर्डन और पाकिस्तान के नेताओं के साथ टेलीफोन पर हुई अत्यंत उपयोगी और सार्थक वार्ता के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि टेलीफोन वार्ता में मुनीर ने पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और इस पूरी प्रक्रिया के दौरान उनके अथक प्रयासों की मैं बहुत सराहना करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, चर्चाओं ने वर्तमान क्षेत्रीय स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करने और क्षेत्र में स्थाई शांति लाने के लिए जारी शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने का एक उपयोगी अवसर प्रदान किया। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान पूरी ईमानदारी से अपने शांति प्रयासों को जारी रखेगा और उम्मीद है कि हम जल्द वार्ता के अगले दौर की मेजबानी करेंगे। आठ अप्रैल को घोषित युद्धविराम के बाद अमेरिका और ईरान के बीच पहली आमने-सामने की गहन वार्ता की मेजबानी पाकिस्तान ने ही की थी। हालांकि शांति प्रयास किसी समझौते पर नहीं पहुंच सका, लेकिन इस्लामाबाद ने कई अन्य मुस्लिम देशों के सहयोग से अपनी पहल को आगे बढ़ाया।

अब्राहम समझौते के राष्ट्रों में शामिल होने से और भी बढ़ेगा एवं मजबूत होगा :अमेरिकी राष्ट्रपति

ईरान के साथ समझौते में जल्दबाजी न करें : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वाशिंगटन और तेहरान ने लगभग तीन महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक शांति समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी कर ली है। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि दोनों पक्षों को उचित समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत व्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है, लेकिन उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि समय हमारे (अमेरिका) पक्ष में है।

उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की अमेरिकी नाकाबंदी तब तक पूरी तरह से जारी रहेगी, जब तक कि किसी समझौते पर सहमति नहीं बन जाती और उस पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते। ट्रंप ने कहा, दोनों पक्षों को उचित समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए। कोई गलती नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ईरान को अब्राहम समझौते में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया, जो इजराइल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। ट्रंप की ए टिप्पणियां सोशल मीडिया पर की गई उस घोषणा के एक दिन बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी हो चुकी है और अंतिम पहलुओं एवं विवरणों पर चर्चा की जा रही है, जिसके बाद जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, पाकिस्तान, तुर्किए, मिस्र, जॉर्डन, बहरीन और इजराइल के नेताओं से बात की है। ट्रंप ने रविवार को कहा, ईरान के साथ हमारे संबंध नहीं अधिक पेशेवर और फलदाई होते जा रहे हैं। हालांकि, उन्हें समझना होगा कि वे परमाणु हथियार या बम न तो विकसित कर सकते हैं और न ही खरीद सकते हैं। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से 2015 में ईरान के साथ किए गए परमाणु समझौते की भी आलोचना की। उन्होंने सुझाव दिया कि ईरान अब्राहम समझौते में शामिल हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैं पश्चिम एशिया के सभी देशों को उनके समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, जो ऐतिहासिक अब्राहम समझौते के राष्ट्रों में शामिल होने से और भी बढ़ेगा एवं मजबूत होगा, और कौन जानता है, शायद ईरान भी इसमें शामिल होना चाहेगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से प्रकाशित खबर में कहा कि वाशिंगटन और तेहरान ने एक ऐसे समझौते पर सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है, जिसके तहत ईरान के अपने संवर्द्धित यूरेनियम का निपटान करने की प्रतिबद्धता जताने के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि फिलहाल किसी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हुए हैं और यह अभी भी राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान के सर्वोच्च नेता की अंतिम मंजूरी के अधीन है, जिसमें कई दिन लग सकते हैं।

शांति समझौते से जुड़ी वार्ता रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत व्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि समय हमारे (अमेरिका) पक्ष में है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की नाकाबंदी तब तक पूरी तरह से जारी रहेगी, जब तक कि किसी समझौते पर सहमति नहीं बन जाती और उस पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों को समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए। कोई गलती नहीं होनी चाहिए। ट्रंप ने कहा, ईरान के साथ हमारे संबंध कहीं अधिक पेशेवर और फलदाई होते जा रहे हैं। हालांकि, उन्हें समझना होगा कि वे परमाणु हथियार या बम विकसित या हासिल नहीं कर सकते। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से 2015 में ईरान के साथ किए गए परमाणु समझौते की भी आलोचना की। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान अब्राहम समझौते में शामिल हो सकता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com